संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 166 शनिवार 19 अप्रैल 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

परमाणु क्षमता बढ़ाने की तैयारी में है भारत

नई दिल्ली,18अप्रैल 2025(ए)। भारत सरकार विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए परमाणु दायित्व कानूनों में बदलाव की तैयारी कर रही है। सरकार की योजना ऐसे संशोधन करने की है, जिससे विदेशी आपूर्तिकर्ताओं की कानूनी जोखिम की चिंताएं कम हों। खासकर अमेरिकी कंपनियां, जैसे जनरल इलेक्ट्रिक और वेस्टिंगहाउस, असीमित दायित्व के कारण भारत में निवेश से अब तक हिचक रही थीं।

बहुत जल्दी ही जारी होगा यूपीएससी सीएसई फाइनल रिजल्ट

नई दिल्ली,18अप्रैल 2025(ए)। यूपीएससी CSE परीक्षा का फाइनल रिजल्ट बहुत जल्द जारी होने वाला है। यूपीएससी की ओर से आयोजित सिविल सर्विस परीक्षा 2024 का इंटरव्यू खत्म हो चुका है। अब रिजल्ट जारी होने के लिए पूरी तरह तैयार है। परिणाम यूपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर जारी किया जाएगा।

मोदी ने एलन मस्क से की बातचीत

नई दिल्ली,18अप्रैल 2025(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरबपति कारोबारी एलन मस्क से फोन पर बात की है. इस दौरान दोनों के बीच कई मुद्दों पर बात हुई। पीएम मोदी ने

सोशल मीडिया पोस्ट कर बताया कि एलॉन मस्क से बात हुई. इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें इस साल की शुरुआत में वॉशिंगटन डीसी में हमारी मीटिंग के दौरान उठे विषय भी शामिल हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के सेक्टर्स में गहन साझेदारी पर भी चर्चा की. भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ पार्टनरशिप को लेकर प्रतिबद्ध रहेगा।

मई 2025 के दूसरे सप्ताह में जारी हो सकते है सीबीएसई 10 वीं-12 वीं के रिजल्ट

नई दिल्ली,18अप्रैल 2025(ए)। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंड्री एजुकेशन (सीबीएसई) कक्षा 10 वीं और 12 वीं के बोर्ड परीक्षा परिणाम मई 2025 के दूसरे सप्ताह में जारी कर सकता है। विद्यार्थी आधिकारिक वेबसाइट cbse.gov.in या results.cbse.nic.in पर रोल नंबर और एडमिट कार्ड आईडी डालकर अपना रिजल्ट देख सकेंगे। हालांकि,बोर्ड ने अभी तक परिणाम की तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन पिछले वर्षों के रुझानों के आधार पर अनुमान है कि रिजल्ट 15 से 20 मई के बीच घोषित हो सकता है।

सीलमपुर में कुणाल मर्डर केस में सामने आया लेडी डॉन जिकरा का नाम

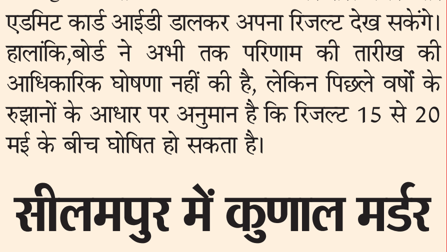

नई दिल्ली,18अप्रैल 2025(ए)। दिल्ली के सीलमपुर में 17 साल के कुणाल की चाकू मारकर नृशंस हत्या के मामले में लेडी डॉन जिकरा का नाम सामने आया। कुणाल के परिजनों का आरोप है कि जिकरा ने अपने गैंग के साथ मिलकर उनके बेटे को घेरकर उसकी हत्या की। बताया जा रहा है कि जिकरा हमेशा पिस्तौल लेकर इलाके में घूमती है और उसके नाम से लोग दहशत में रहते हैं। कुणाल की मां ने बताया कि उनका बेटा दूध और समोसे लाने के लिए घर से निकला था, लेकिन वह वापस नहीं लौटा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया द्रोपदी के नाम पर फैसला

- » महिला को पति की संपत्ति मानते हैं...
- » द्रौपदी का हवाला देकर अडल्ट्री केस में दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला...
- » दिल्ली हाई कोर्ट ने व्यभिचार के मामले में आरोप को बरी किया...
- » महाभारत के संदर्भ में जज ने पुरुषवादी सोच की आलोचना की...
- » कोर्ट ने कहा, पति-पत्नी के रिश्ते में धोखा निजी मामला है...

नई दिल्ली,18अप्रैल 2025(ए)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक आदमी को व्यभिचार के मामले में बड़ी राहत दी है। यह मामला एक महिला के पति ने दर्ज कराया था। आरोप था कि उस आदमी का उसकी पत्नी के साथ अफेयर है। कोर्ट ने कहा कि औरत को आदमी की संपत्ति समझना गलत है। यह सोच महाभारत के समय से चली आ रही है। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने 17 अप्रैल को यह फैसला सुनाया है। इसके लिए उन्होंने महाभारत का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि कैसे पुराने व्यभिचार कानून, आईपीसी की धारा 497 पितृसत्तात्मक सोच पर आधारित थी।

महाभारत की द्रौपदी का हवाला

जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने अपने फैसले में कहा, औरत को पति की संपत्ति समझना और इसके भयानक नतीजे महाभारत में अच्छी तरह से दिखाए गए हैं। द्रौपदी को जुए में युधिष्ठिर ने दांव पर लगा दिया था। उनके बाकी चार भाई चुपचाप देखते रहे और द्रौपदी के पास अपनी गरिमा के लिए विरोध करने की कोई आवाज नहीं थी।

सुप्रीम कोर्ट ने ठहाया था असंवैधानिक

दिल्ली हाई कोर्ट की जज ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के 2018 के फैसले का भी जिक्र किया। उस फैसले में व्यभिचार को अपराध की श्रेणी से हटा दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने ढ्ढक्क की धारा 497 को असंवैधानिक बताया था। कोर्ट ने कहा था कि यह धारा औरत को सिर्फ एक शिकार मानती है, जिसकी अपनी कोई मर्जी नहीं है। जस्टिस कृष्णा ने कहा कि कानून में व्यभिचार करने वाली औरत को सजा नहीं दी जाती थी। उसे पीड़ित माना जाता था जिसे बहकाया गया। यह पुरुषवादी सोच जाहिर करता है।

इसके चलते महाभारत का महान युद्ध हुआ...

अदालत ने आगे कहा, जैसा कि हुआ, वह (द्रौपदी) जुए के खेल में हार गई और उसके बाद महाभारत का महान युद्ध हुआ, जिसमें भारी जान-माल का नुकसान हुआ और कई परिवार मिट गए। औरत को संपत्ति मानने की बेतुकी बात के नतीजे को दिखाने वाले ऐसे उदाहरण होने के बावजूद, हमारे समाज की पुरुषवादी मानसिकता को यह तभी समझ में आया, जब सुप्रीम कोर्ट ने आईपीसी की धारा 497 को असंवैधानिक घोषित कर दिया।

पति-पत्नी के रिश्ते में धोखा निजी मामला

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए बेंच ने कहा, जब एक वैवाहिक रिश्ते में कोई पक्ष नैतिक प्रतिबद्धता खो देता है, तो यह पूरी तरह से गोपनीयता का मामला है। व्यभिचार को अपराध की दृष्टि से सोचना एक प्रतिगामी कदम होगा। इसका मतलब है कि अगर पति-पत्नी के रिश्ते में कोई धोखा होता है, तो यह उनका निजी मामला है। इसे अपराध मानना सही नहीं है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दी याचिका

इस केस में, पति ने आरोप लगाया था कि उसकी पत्नी और उस आदमी का अफेयर है। उन्होंने कहा कि वे दोनों एक शहर गए,एक होटल में रुके और बिना उसकी सहमति के यौन संबंध बनाए। पहले एक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने उस आदमी को बरी कर दिया था। लेकिन, सेशन कोर्ट ने उस फैसले को पलट दिया और समन जारी कर दिया। हालांकि, हाई कोर्ट ने शिकायत को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि आईपीसी की धारा 497 के तहत भी कोई मामला नहीं बनता है,क्योंकि अब यह धारा रद्द हो चुकी है।

कोर्ट ने आरोपी को बरी किया

कोर्ट ने औरतों पर मालिकाना हक जताने की पुरानी सोच की आलोचना की। जज ने कहा कि यह कानून शादी की पवित्रता बनाए रखने के बारे में नहीं था, बल्कि पति के नियंत्रण को बनाए रखने के बारे में था। कोर्ट ने कहा, इसलिए,यह स्पष्ट है कि यह पुराना कानून अब अपना उद्देश्य खो चुका है। यह आज की संवैधानिक नैतिकता के अनुरूप नहीं है। जिस उद्देश्य से इसे बनाया गया था, वह अब मनमाना हो गया है। आज के समय में यह पूरी तरह से तर्कहीन है। कोर्ट ने आरोपी को बरी कर दिया है।

सैलरी मांगने पर कर्मचारियों से हैवानियत

बिजली के झटके दिए,नाखून भी उखाड़े फिर ऐसे बची जान

भीलवाड़ा,18 अप्रैल 2025(ए)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले से रोजगार की तलाश में छत्तीसगढ़ गए दो चचेरे भाइयों के साथ अमानवीय क्रूरता और फिरौती वसूलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ितों का आरोप है कि सैलरी मांगने पर उन्हें बेरहमी से पीटा गया, कपड़े उतरवाकर बिजली के करंट लगाए गए, नाखून उखाड़े गए और परिजनों से फिरौती वसूलने के बाद ही उन्हें छोड़ा गया। इस घटना के बाद भी आरोपियों ने भीलवाड़ा आकर उन्हें धमकाया। स्थानीय पुलिस पर शिकायत न सुनने का आरोप लगाते हुए पीड़ित युवकों ने गुरुवार को भीलवाड़ा एसपी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित मुकेश और विनोद नामक चचेरे भाई 12 फरवरी को छत्तीसगढ़ के कोरबा शहर पहुंचे थे। गांव के ही एक परिचित के माध्यम से उनकी मुलाकात छोटू गुर्जर (निवासी भैरूखेड़ा, शंभूगढ़) और मुकेश शर्मा (निवासी चित्तौड़गढ़) से हुई थी। इन लोगों ने दोनों भाइयों को आइसक्रीम बेचने की नौकरी दिलाने का झांसा दिया था।करीब दो महीने तक काम कराने के बाद जब दोनों भाइयों ने अपनी मेहनत की सैलरी मांगी, तो नियोक्ताओं ने उन्हें पैसे देने के बजाय एक गोदाम में बंद कर दिया और अमानवीय तरीके से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।14 अप्रैल की रात को क्ररूरता की हदें पार कर दी गईं। पीड़ितों का आरोप है कि उन्हें कपड़े उतरवाकर बिजली के तारों से करंट लगाया गया, प्लास से उनके नाखून उखाड़े गए और उन्हें बुरी तरह गालियां दी गईं। आरोपी यहीं नहीं रुके, उन्होंने पूरे टॉर्चर का वीडियो बनाया और डर पैदा करने के लिए उसे पीड़ितों के परिजनों को भेजा।आरोपियों ने दोनों युवकों पर चोरी का झूठा आरोप लगाया और उन्हें छोडने् के बदले 30 हजार रुपए की मोटी फिरौती की मांग की। परिजनों ने अपने बेटों की जान बचाने के लिए डर और दहशत में आकर मांगे गए पैसों में से 23,950 रुपए आरोपियों द्वारा बताए गए खाते में ट्रांसफर किए। पैसे मिलने के बाद ही दोनों भाइयों को प्रताडऩा से मुक्ति मिली और उन्हें छोड़ा गया।

एयरपोर्ट पर बम की अफवाह से हड़कंप

दो घंटे की जांच और आरोपी गिरफ्तार

कानपुर,18 अप्रैल 2025(ए)। कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर शुक्रवार को बम की अफवाह से हड़कंप मच गया। घटना तब हुई जब किसी सिरफिरे ने फोन करके एयरपोर्ट अधिकारियों को जानकारी दी कि एयरपोर्ट पर एक 72-सीटर हवाई जहाज में बम रखा गया है। यह जानकारी मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल सक्रियता दिखाई। एयरपोर्ट पर तुरंत सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया गया और एयरपोर्ट के हर कोने को खंगालने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। जांच के दौरान यह बात सामने आई कि कानपुर एयरपोर्ट पर सामान्यतः 72 सीटर हवाई जहाजों का संचालन नहीं होता है, जिससे बम की सूचना के होने की संभावना पर सवाल उठने लगे।

चक्रवाती तूफान ने ले ली पाँच की जान,दर्जन भर घायल

सोहावल-अयोध्या, 18 अप्रैल 2025 (ए)। बृहस्पतिवार की शाम को आये तूफान तेज हवा व आँधी ने पाँच महिलाओं की जान ले ली। जनपद की सोहावल तहसील क्षेत्र के महोली मजरे सैदपुर गांव निवासी ललिता 22 वर्ष पूजा 19 वर्ष पुत्री जल्ला ट्राली पर भूसा लाने के लिए गयी थीं। कमला पत्नी राजेंद्र कुमार उम्र 28 वर्ष गेहूं काटने खेत में गई थी।आंधी आने पर एक ट्रैक्टर ट्राली के नीचे छिप गयी। आंधी की वजह से ट्राली उनके ऊपर पलट गयी। ग्रामीणों ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुदौली भेजवाया। जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पहलवानों पर पहली बार हुई पुष्पवर्षा

बम्म,18अप्रैल 2025(ए)। हिमाचल प्रदेश के इतिहास में पहली बार पहलवानों, जनता और अखाड़े में हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा हुई। यह पुष्प वर्षा दुबई में व्यवसाई बिलासपुर जिला के लुहणू मैहरी काथला निवासी सुनील कुमार शर्मा ने की है। उनकी हिम्मत व आस्था को लोग प्रेरणादायक बता रहे हैं। लखदाता महावीर के प्रति लग्न और सच्ची भक्ति से ही यह सब संभव हो पाया है, जो व्यक्ति बड़ी श्रद्धा से दुबई से चलकर हैलीकॉप्टर से पुष्प बरसाने मैहरी काथला स्थित ऐतिहासिक स्थल नाल्टी मोड़ अखाड़े में पहुंचा बहुत बड़ी बात है।

मेस के खाने से खुश नहीं था सैनिक, साथियों पर एके-47 से चलाई थी गोली

सुप्रीम कोर्ट ने सजा को रखा बरकार

नई दिल्ली,18अप्रैल 2025(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने मेस के खाने से असंतुष्ट होकर सहकर्मियों पर एके-47 से गोली चलाने वाले सेना के कांस्टेबल की सजा को बरकरार रखा है। पीठ ने हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के 2014 के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें आरोपी को बरी कर दिया गया था। न्यायालय ने कहा कि तथ्यों और परिस्थितियों से पता चलता है कि आरोपी ने गुस्से में एके-47 से अंधाधुंध गोलीबारी की थी। वह अच्छी तरह जानता था कि गोलियां किसी सहकर्मी को घायल कर सकती हैं, जिससे मौत भी हो सकती है।

परीक्षा से पहले छात्रों का जनेऊ उतरवाया और कलावा फेंकवाया

शिक्षा मंत्री ने दिए जांच के आदेश

शिवमोग्गा,18अप्रैल 2025(ए)। कर्नाटका के शिवमोग्गा जिले के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों से जनेऊ उतरवा लिया गया। साथ ही हाथ में बंधे कलावा को उतरवाकर डस्टबिन में फिकवा दिया गया। इंजीनियरिंग कॉलेज में कॉमन एन्ट्रेंस टेस्ट यानी सीईटी की परीक्षा देने गए कुछ छात्रों से जनेऊ और हाथों में पहने कलावा को उतारने के लिए कहे जाने से विवाद गर्मा गया। अखिल कर्नाटका ब्राह्मण सभा ने जिलाधीश से मुलाकात कर ऐसा करने वालों के खिलाफ एक्शन लेने की मांग की है। राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री एमसी सुधाकर ने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

गेट पर खुलवाया गया जनेऊ और कलावा

ये घटना शिवमोग्गा के आदि चुनचुनगिरी पीयू कॉलेज परिसर में हुई है। बताया गया कि सीईटी की परीक्षा देने पहुंचे तीन छात्रों को इसीलिए रोक लिया गया क्योंकि उन्होंने जनेऊ और हाथों में रक्षा सूत्र पहना हुआ था। गेट पर मौजूद गार्ड ने 2 लड़कों ने जनेऊ और रक्षा सूत्र (कलावा) खुलवा दिया, जबकि एक छात्र जनेऊ न खोलने पर अड़ गया। उसे 15 मिनट तक गेट पर ही रोक लिया गया। इसके बाद उसके हाथों में

बंधे रक्षा सूत्र को उतरवा लिया गया, लेकिन जनेऊ के साथ उसे परीक्षा देने को दी गई।

15 मिनट तक गेट के बाहर बैठाया गया

पीड़ति छात्र अभिज्ञान के मामा ने कहा, मेरा भांजा सीईटी के लिए आदि चुनचुनगिरी पीयू कॉलेज गया था। वहां गार्ड ने टी शर्ट के अंदर पहने जनेऊ और हाथों में पहने रक्षा सूत्र को उतारने को कहा। भांजे ने ऐसा करने से साफ मना कर दिया। भांजे ने कहा कि कि वो भले ही परीक्षा न दे लेकिन जनेऊ नहीं उतारेगा। इसके बाद 15 मिनट तक उसे बाहर बैठाया गया।

कलावा निकालकर डस्टबिन में फेंका

इसके साथ ही पीड़ित छात्र के मामा ने बताया कि बाद में उसे जनेऊ के साथ परीक्षा देने की अनुमति दी गई लेकिन उसके हाथों से कलावा निकालकर उसे डस्टबिन में डाल दिया गया। जैसे ही उन्हें ये सूचना मिली कि मेरे भांजे से पहले 2 बच्चों का जनेऊ भी उतार लिया गया था।

ब्राह्मण संगठन के लोगों ने किया विरोध

परीक्षा खत्म होने के बाद इन बच्चों ने अपने अभिभावकों को ये बात बताई। कुछ देर में संस्थान के गेट पर ब्राह्मण संगठन के लोग पहुंच गए और गार्ड से सवाल जवाब करने लगे। सूचना मिलते ही पुलिस भी वहां पहुंच गई और विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों को किसी तरह समझा बुझाकर वहां से भेज दिया गया।

शिक्षा मंत्री ने मांगी रिपोर्ट

कर्नाटका के उच्च शिक्षा मंत्री एमसी सुधाकर ने भी इस घटना की निंदा की है। एमसी सुधाकर ने कहा,ऐसा नहीं होना चाहिए था, अगर ऐसा हुआ है जैसा कि दावा किया गया है तो ये निंदनीय है। मैंने एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर से रिपोर्ट मांगी है। एक्जाम के लिए कुछ सेट प्रोटोकॉल होते हैं। उसका पालन हर संस्थान करता है, लेकिन उनमें जनेऊ उतरवाने की बात नहीं है। अगर जांच में ये बात सही साबित होती है तो विभाग दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

संपादकीय

हस्ताक्षर तो तमिल में करें

तमिलों के प्रति अपना विशेष लगाव दिखाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिल भाषा को दुनिया में ले जाने की बात उठाई। उन्होंने तमिल माध्यम से शिक्षा शिक्षा प्रदान करने की वकालत की ताकि गरीब छात्रों को भी लाभ मिल सके। तमिलनाहु में पम्बन ब्रिज के उद्घाषण भाषण में उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन का नाम लिये बगैर कहा, तमिलनाडु के नेताओं के पत्रों में हस्ताक्षर अंग्रेजी में होते हैं। मोदी ने तंज करते हुए कहा,अगर हमें तमिल पर गर्व है तो मैं अनुरोध करूंगा कि कम से कम हस्ताक्षर तो तमिल में करें।राज्य सरकार को पिछली सरकार की तुलना में अधिक धन आवंटित किये जाने पर मोदी ने कहा कि,कुछ लोगों को रोने की आदत होती है, वे रोते रहते हैं। स्टालिन की गैरहाजरी में ही राज्य में 8300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।हालांकि स्टालिन के प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल न होने को भाजपा ने प्रधानमंत्री का अपमान बताया है। कहा जा सकता है कि नई शिक्षा नीति पर चल रही हिन्दी थोपने की बहस को लेकर मोदी ने परोक्ष में हस्ताक्षर वाली बात पर प्रहार किया। यह टिप्पणी केंद्र व तमिलनाडु सरकार के दरम्यान चल रहे त्रि-भाषा नीति को लेकर चल रहे विवाद को तूल भी दे सकती है। अगले साल राज्य में होने वाले चुनाव से इस घटनाक्रम को जोड़कर देखा जा सकता है।भाजपा गठबंधन फिर से अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के साथ सरकार बनाने की पृष्ठभूमि तैयार कर रहा है। राज्य के चुनावी बिसात में पुराने मोहरे बिछाने की तैयारी के अतिरिक्त मोदी सरकार के पास बेहद सीमित मार्ग हैं। हालांकि मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री का इस्तकबाल करके बड़प्पन दिखाना शोभनीय होता। प्रधानमंत्री किसी दल का नहीं होता, वे अखंड भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं।बजरिए तमिल भाषा में दर्शाये जा रहे इस अपनापे के खोखलेपन से स्थानीय जनता अच्छी तरह वाकिफ है। बेहतर हो कि यह हस्ताक्षर वाली सलाह सभी राज्यों को दी जाती। अपनी भाषा के प्रति लगाव दर्शाने का बेहतर तरीका तो यही हो सकता है कि इस तरह के पत्र-व्यवहार को स्थानीय भाषा में किया जाए। बहुभाषी अखंड देश होने का ख्याल रखा जाना केंद्र के लिए अतिआवश्यक है।चुनावी सरगर्मी में हमें तमिल होने पर गर्व हो जाता है। जो मौसम बदलते ही कश्मीरी होने पर या बंगाली होने के गर्व में तब्दील होता रहता है। हालांकि देश की राजनीति ऐसे ही संवेदनशील मुद्दों के भरोसे चलती आ रही है,इसमें कुछ बदलता नहीं नजर आ रहा।

महंगी होती शिक्षा,बचपन पर बोझ और सरकार की चुप्पी शिक्षा का बढ़ता बाजारीकरण

विजय गर्ग
चांद मलोट
पंजाब

बचपन अतुलित आनंद यानी चंचलता और हंसने-हंसाने का नाम है। कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने लिखा है,'चिंता रहित खेलना, खाना और निर्भय स्वच्छंद फिरना..! कैसे भूला जा सकता है बचपन का अतुलित आनंद।' इसलिए बचपन का स्वागत उत्साह एवं भावनाओं से हो। बच्चों के पाठ्यक्रम की चर्चा की जाए तो वह मनोरंजन, यानी हंसने-हंसाने के साथ अधिगम (समझ) हासिल करने वाला होना चाहिए। बरसों से यह बात सुर्खियों में रहती आई है कि गैरसरकारी और निजी स्कूल संचालकों द्वारा बच्चों की पढ़ाई के निमित्त मोटी फीस वसूली जाती है। पाठ्यक्रम के नाम पर भारी-भरकम पुस्तकें बचपन पर थोपी जा रही है। पाठ्य सामग्री ऊंची कीमत पर खरीदने के लिए अभिभावकों पर परोक्ष, तो कहीं-कहीं प्रत्यक्ष दबाव बनाया जाता है। शिक्षा खुलेआम बेची जा रही है और वह भी ऊंचे दामों पर। अभिभावक मजबूरी में खरीद रहे है। बच्चों की शिक्षा के नाम पर ऊंचे दाम पर शिक्षा बिकती है, मोटी रकम वसूली जा रही होती है, ऐसे में संबंधित प्रदेश और देश की सरकार का दायित्व उसे संभालने का होना चाहिए। आए दिन ऐसी खबरें प्रमुखता से छपती हैं कि निजी स्कूल ऊंचे दामों की किताबें और मोटी रकम फीस के तौर पर अभिभावकों से मांग कर रहे हैं।

वर्षों से शिक्षाविद इसकी मांग कर रहे हैं कि पाठ्यक्रम चाहे बच्चों का हो या ऊंची कक्षाओं में एकरूपता होनी चाहिए। कहने का आशय यह है कि सरकारी स्कूलों के लिए पाठ्यक्रम कुछ और हो, गैर सरकारी निजी स्कूलों के लिए कुछ और। जबकि इसमें एकरूपता परम आवश्यक है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने इस पर सख्ती दिखाई थी। शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने के बाद निजी विद्यालय द्वारा फीस वृद्धि नियंत्रित करने के लिए अनुशंसाएं करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था। तब राज्य सरकार द्वारा राजस्थान विद्यालय (फीस का विनिमेय) अधिनियम,2016 एवं नियम 2017 निर्धारित कर लागू किए गए। इस अधिनियम में प्रत्येक विद्यालय में माता-पिता अध्यापक संगम की स्थापना करने और इस संगम की देखरेख में विद्यालय स्तरीय फीस समिति का गठन करने का प्रावधान किया गया है।

हालांकि निजी विद्यालय इस समिति के जरिए फीस वृद्धि करते हैं, लेकिन शासन और विभागीय अधिकारियों के स्तर से सूक्ष्म निगरानी और नियंत्रण नहीं होने के कारण इन समितियों के नाम पर विद्यालय द्वारा लीपापोती कर शुल्क वृद्धि कर लेने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। नियम और व्यवस्था के नाम पर महज लीपापोती न होकर आवश्यकता इस बात की है कि शासन का प्रत्येक स्तर पर 'फ्रेंड फिलास्फर गाइड' यानी मित्र-दार्शनिक सिद्धांत के अनुसार विद्यालयों पर प्रभावी नियंत्रण हो। ऐसे वातावरण के निर्माण की आवश्यकता है, जिसमें विद्यालय शिक्षा का कार्य एक पुनीत, सामाजिक दायित्व और अपना स्वयं का कार्य मानकर पूर्ण प्रतिबद्धता तथा ईमानदारी के साथ निर्वहन करें। वर्तमान में इस सिद्धांत के अनुसार काम कम ही हो रहा लगता है। ऐसा लगता है कि निजी स्कूलों को अपना पाठ्यक्रम निर्धारण करने और मनमानी फीस वसूलने का अधिकार दे दिया गया है। शिक्षा का सार्वजनिकीकरण और निजी क्षेत्र की भागीदारी जरूरी हो सकती है, लेकिन बच्चों को क्या परोसा जा रहा है, उसकी पड़ताल सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए। वर्तमान में निजी क्षेत्र को सहायक सामग्री के रूप में पाठ्यक्रम लागू करने और बोर्ड के अतिरिक्त सभी तरीके के परीक्षा-पत्र अपने स्तर पर तैयार करने का अधिकार देने से शिक्षा की एकरूपता समाप्त हो रही है, वहीं शिक्षा बेलगाम तरीके से महंगी और बाजार आधारित होती जा रही है।

राज्य और केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के निर्धारित पाठ्यक्रम के साथ-साथ हर विषय के साथ एक सहायक सामग्री की पुस्तक लगाने की छूट देना शिक्षा को महंगी करने की राह तैयार करेगा। जिस प्रकार वस्तुओं के मूल्य निर्धारण का अधिकार सरकार ने अपने पास नहीं रखा, ठीक उसी प्रकार शिक्षा तंत्र की फीस और पाठ्यक्रम निर्धारण का कार्य सरकार ने बाजार के हवाले कर दिया। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में जिस प्रकार केंद्रीय और राज्य बोर्ड का पाठ्यक्रम लागू होता है, ऐसे में पाठ्यक्रम और परीक्षा-पत्रों की समानता बनी रहती है। नई शिक्षा नीति में बोर्ड की अवधारणा तो लगभग समाप्त किया जाना है, जिसके परिणाम भविष्य के गर्भ में हैं। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए कि निजी शिक्षण संस्थानों का पाठ्यक्रम सरकारी पाठ्यक्रम से अलहदा न हो। नर्सरी से आठवीं कक्षा तक पाठ्यक्रम निर्धारण सरकार को करना चाहिए और सहायक शिक्षण सामग्री की छूट पर पाबंदी लगाना चाहिए। इससे निजी शिक्षण संस्थाओं के बेजा पाठ्यक्रम पर लगाम लगेगी। अभिभावकों पर पाठ्यक्रम के नाम पर महंगी किताबों पर अपने आप ही अंकुश लगेगा। उच्च पेशेवर शिक्षा में चिकित्सा, इंजीनियरिंग का एक ही पाठ्यक्रम होता है, एक ही परीक्षा होती है और उसकी फीस भी सरकार निर्धारित करती है। इसी प्रकार प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में भी एक पाठ्यक्रम और एक फीस का निर्धारण सरकारी स्तर पर किया जाना चाहिए, तभी मोटी फीस और महंगे पाठ्यक्रम से निजात मिलेगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के अध्यक्ष रहे देश के ख्यातनाम वैज्ञानिक और शिक्षाविद प्रोफेसर यश पाल की अध्यक्षता में गठित कमेटी (1992) की रपट 'लर्निंग विदाउट बर्डन' में वर्णित अनुशंसाओं को नए सिरे से विश्लेषित कर उस पर अमल की आवश्यकता है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

बीजेपी की मजबूरी है तमिलनाडु में गठबंधन की सियासत

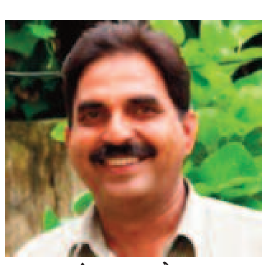

संजय सक्सेना,
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

भारतीय जनता पार्टी और दिवंगत जयललिता की पार्टी एआईएडीएमके के बीच तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनाव को लेकर हुआ गठबंधन ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक पार्टी की नींद उड़ा दी है। यह गठबंधन बीजेपी के रणनीतिकार अमित शाह की देन बताई जा रही है। हालांकि अभी तक दोनों दलों के दिल मिलते नहीं दिखाई दे रहे हैं। वजह हैं एआईएडीएमके नेता ई. पलानीस्वामी के बयानों में बार-बार आ रहा असमंजस। तमिलनाडु की राजनीति में यह कोई पहला मौका नहीं है जब चुनावी गणित के चलते विरोधी दलों ने हाथ मिलाया हो, लेकिन सत्ता साझा करने को लेकर जो स्पष्टता होनी चाहिए, उसकी यहां भारी कमी नजर आ रही है। अमित शाह ने खुद चेन्नई जाकर गठबंधन की सार्वजनिक घोषणा की, यहां तक कि दावा भी कर दिया कि अगली सरकार तमिलनाडु में एआईएडीएमके-बीजेपी की होगी। लेकिन जब पलानीस्वामी से इस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने साफ कह दिया कि उनका बीजेपी के साथ सिर्फ चुनावी गठबंधन है, सरकार साझा नहीं की जाएगी। इससे बड़ा संकेत और क्या हो सकता है कि गठबंधन का भविष्य बेहद अनिश्चित है।

यह सब तब हो रहा है जब बीजेपी ने अन्नामलाई जैसे उभरते नेता को हटाकर नैनार नागेंद्रन को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया। तब माना गया कि पलानीस्वामी की शर्त पूरी कर दी गई है और अब गठबंधन में कोई बाधा नहीं रहेगी। लेकिन अब जिस तरह से एआईएडीएमके लगातार यह कह रही है कि बीजेपी के साथ मिलकर सिर्फ चुनाव लड़ेंगे, सरकार नहीं बनाएंगे, उससे साफ है कि उनके इरादे पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि कहीं यह गठबंधन केवल अन्नामलाई को हटवाने की रणनीति तो नहीं थी? जिस प्रकार से पलानीस्वामी ने पहले अन्नामलाई के खिलाफ मुखर विरोध जताया और अब अन्नामलाई की विदाई के बाद भी नए मुद्दे खड़े किए जा रहे हैं, उससे संदेह और भी गहराता जा रहा है। गौरतलब है कि तमिलनाडु की राजनीति में हिंदी विरोध, सांस्कृतिक पहचान, और क्षेत्रीय स्वाभिमान जैसे मुद्दे हमेशा हावी रहे हैं। ऐसे में बीजेपी जैसी राष्ट्रीय पार्टी से जुड़ाव अक्सर द्रविड़ दलों के लिए एक राजनीतिक जोखिम बन जाता है। पलानीस्वामी भी शायद इसी वजह से खुलकर बीजेपी के साथ सत्ता साझा करने से बच रहे हैं। वह एक तरफ डीएमके को सत्ता से हटाने के लिए बीजेपी के समर्थन का लाभ उठाना चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर बीजेपी से दूरी बनाकर अपने क्षेत्रीय वोट बैंक को भी साधना चाहते हैं। यही वजह है कि वह बार-बार स्पष्ट कर रहे हैं कि केंद्र में नरेंद्र मोदी नेता होंगे और तमिलनाडु में सिर्फ वह यानी पलानीस्वामी। इससे संकेत मिलता है कि एआईएडीएमके नहीं चाहती कि तमिलनाडु में बीजेपी को ज्यादा ताकत मिले।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस तरह का गठबंधन तमिलनाडु की राजनीति में नया नहीं है। डीएमके और एआईएडीएमके ने अक्सर चुनावों में गठबंधन किए हैं, लेकिन राज्य की सत्ता में आने के बाद अपने सहयोगियों को सत्ता में भागीदारी देने से कतराते रहे हैं। डीएमके, कांग्रेस और वाम दलों के साथ मिलकर चुनाव जीतती है, लेकिन सरकार सिर्फ डीएमके की बनती है। कुछ ऐसा ही पैटर्न अब एआईएडीएमके भी अपनाना चाहती है। यानी चुनावी फायदा लेने के लिए बीजेपी के साथ हाथ मिलाया जाए, लेकिन सत्ता में उन्हें हिस्सा न दिया जाए। इससे लगता है कि जयललिता की पार्टी, बीजेपी को कहीं सिर्फ एक वोट बैंक के तौर पर तो इस्तेमाल नहीं कर रही है। क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 11 फीसदी से अधिक वोट हासिल हुए थे,जो किसी भी चुनाव में किसी भी दल की जीत हार का अंतर कम और बढ़ा सकते हैं।

अगर हम आंकड़ों पर नजर डालें तो 2021 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी और एआईएडीएमके के गठबंधन को लगभग 40 फीसदी वोट मिले थे, जबकि डीएमके और उसके सहयोगियों को 45 प्रतिशत। यानी मुकाबला कड़ा था। लेकिन जब 2023 में अन्नामलाई को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, तब से एआईएडीएमके के साथ बीजेपी के रिश्तों में खटास आ गई। आखिरकार 2023 में यह गठबंधन टूट गया। 2024 के लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा, और नुकसान दोनों को हुआ। एआईएडीएमके को 20.46 फीसदी वोट मिले और बीजेपी को अकेले 11.24 प्रतिशत,यानी एनडीए को कुल 18.28 प्रतिशत। अगर ये दोनों साथ होते तो आंकड़ा लगभग 41 फीसदी के पास पहुंचता,जो डीएमके गठबंधन के 47 प्रतिशत के मुकाबले कुछ हद तक टक्कर दे सकता था।

बीजेपी को इस आंकड़े से यह सीख जरूर मिली कि तमिलनाडु में वह अकेले दम पर अभी सत्ता में नहीं आ सकती। इसलिए उन्होंने फिर से एआईएडीएमके से हाथ मिलाने का फैसला किया। लेकिन अन्नामलाई जैसे नेता की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और आक्रामक शैली को देखकर पलानीस्वामी ने शायद खतरे की घंटी महसूस की और अन्नामलाई को हटाने की शर्त रख दी। बीजेपी ने यह शर्त मानकर नैनार नागेंद्रन को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया,लेकिन अब भी एआईएडीएमके का रुख सख्त है। इस पूरे घटनाक्रम से यही प्रतीत होता है कि पलानीस्वामी गठबंधन के नाम पर केवल राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं,लेकिन सत्ता में बीजेपी को साझीदार बनाने से कतरा रहे हैं।

यहां एक और दिलचस्प बात यह है कि तमिलनाडु बीजेपी के नए अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने इस पूरे विवाद पर बहुत सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार बनाने का फैसला दोनों पार्टियों के नेतृत्व द्वारा सही समय पर किया जाएगा। यानी फिलहाल बीजेपी भी खुलकर कुछ कहने से बच रही है। अमित शाह ने भी सीटों के बंटवारे को लेकर यही बात दोहराई थी कि उचित समय पर सब स्पष्ट किया जाएगा। इससे यह साफ होता है कि बीजेपी पलानीस्वामी के बयानों से नाराज तो है लेकिन अभी किसी टकराव की स्थिति नहीं बनाना चाहती।

लेकिन क्या बीजेपी का यह नरम रवैया उसे लंबे समय तक नुकसान नहीं पहुंचाएगा? क्योंकि, अगर चुनाव जीतने के बाद भी उसे सत्ता में हिस्सेदारी नहीं मिलेगी, तो उसके कार्यकर्ताओं में निराशा बढ़ेगी। इससे पार्टी की छवि कमजोर होगी और तमिलनाडु जैसे राज्य में जहां बीजेपी अब तक सत्ता से दूर रही है, वहां वह अपनी पहचान मजबूत नहीं कर पाएगी। वहीं पलानीस्वामी का यह दोहरा खेल यह दिखाता है कि वह एक तरफ बीजेपी का सहारा लेकर डीएमके को हराना चाहते हैं, लेकिन दूसरी ओर बीजेपी को सत्ता से बाहर रखकर अपनी पार्टी की स्थिति को मजबूत भी करना चाहते हैं। यह रणनीति चतुर जरूर है, लेकिन स्थायित्व के लिहाज से बेहद खतरनाक भी है।

दिवास्वप्न अब साकार होने लगा है...

आरती साहू
उमरापुर तालुक,
बाराबंकी,उत्तरप्रदेश

मैं जानती हूं...आप भौतिक रूप से मेरे साथ तो नहीं, पर आपका स्नेह, दुलार व दुआएं हमेशा मेरे साथ हैं। अम्मा! आप तो यह बात अच्छे से जानती हैं कि आपकी बेटी को घर से ज्यादा विद्यालय अच्छा लगता है, बच्चों के साथ मिलकर काम करना, उन्हें नित नई-नई गतिविधियों के साथ शिक्षित करना, कविता व कहानी सुनाना खूब भाता है और आप यह भी अच्छे से जानती हैं कि आपकी तरह आपकी बेटी को भी किताबें पढ़ने में कितना आनंद आता है।

अम्मा....पता है आपको, पिछले दिनों मैंने एक गुजराती लेखक व महान शिक्षाविद् गिजुभाई बधेका जी% द्वारा लिखी,शैक्षिक साहित्य की महानतम कृति दिवास्वप्न पढ़ी। गिजुभाई जी ने अपने एक वर्ष के शैक्षिक प्रयोग के अनुभवों को उस पुस्तक में संजोया है, जो अत्यंत सराहनीय और प्रेरक हैं।

अम्मा...मैंने इस पुस्तक का बहुत नाम सुना था। मेरे एक शिक्षक साथी ने गतवर्ष इसे पढ़ने के लिए मुझे प्रेरित भी किया था,पर उन दिनों विद्यालय की कुछ व्यस्तता के कारण मैं पुस्तक तो नहीं पढ़ सकी। पर एक विचार मेरे मन के सागर में बार-बार गोता लगा रहा था कि आखिरकार लेखक ने इस पुस्तक का नाम दिवास्वप्न क्यों रखा। अब जबकि पुस्तक पढ़ ली है तो यह मेरी समझ में आया कि सच में शिक्षा पर यह प्रयोग जो लेखक द्वारा कक्षा चार के बच्चों पर किए गए और उसके फलस्वरुप जो सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए, वास्तव में दिन में स्वप्न देखने जैसा ही है। उस पर बिना डांट-फटकार लगाए, बड़ी-बड़ी आंखें फाड़ कर घूरे बगैर एवं विकृत रूप बनाकर बच्चों को डराए-धमकाए बिना और हाथ में छड़ी उठाये बिना बच्चों को वास्तविक रूप में शिक्षित व संस्कारी बना देना, सच में यह किसी दिवास्वप्न से कम तो नहीं। यह दुष्कर कार्य तो एक जादूगर ही कर सकता है। जिसे हम शिक्षक सोच भर पाते हैं, उन्होंने उसे सच कर दिखाया। कक्षा-कक्ष के वातावरण को शांत व सहज बनाये रखने के लिए गिजुभाई जी का वह अद्भुत शांति का खेल, नौनिहालों में स्वच्छता की आदत विकसित करने के उद्देश्य से कक्षा में नियमित सफाई की जांच का कार्य, बच्चों के सुर में सुर मिलाकर सहगान फिर वार्तालाप और नाटक। अहा! क्या कहना, सारे प्रयोग एक से बढ़कर एक। अम्मा....एक बात बताऊं मैं आपको। जैसे- दादी मां, हम भाई-बहनों को बचपन में राजा रानी की लुभावनी कहानियां सुनाया करती थीं और हम सब भाई-बहन दादी मां को चारों ओर घेर कर बैठ जाते थे और बड़े चाव से मन लगाकर किस्से-कहानियां सुना करते थे।ठीक वैसे ही गिजुभाई जी भी बड़े ही निराले अंदाज़ में हाव भाव और अभिनय के साथ कक्षा के बच्चों को राजा रानी की मनमोहक कहानियां सुनाया करते थे। शुरुआती तीन महीनों में तो उन्होंने कहानियों और गीतों के माध्यम से ही शिक्षण कार्य किया।

अम्मा...बच्चों के लिए कितना रोचक रहा होगा न यह सब। और तो और उन्होंने कहानी के द्वारा इतिहास जैसे नीरस विषय की शिक्षा भी दे दी। और जानती हो अम्मा, गिजुभाई जी ने विद्यार्थियों को लोकगीत,चित्रकला और अभिनय में भी पारंगत कर दिया। वे नन्हे-मुन्ने कक्षा चार के बच्चे तो स्वरचित कविताएं भी लिखते थे। बिल्कुल सपने जैसा लगता है न मां यह सब। वास्तव में शिक्षा का सही अर्थ, हम सभी शिक्षकों को गिजुभाई जी अपनी पुस्तक के माध्यम से समझा गए और सिखा गए खुली आंखों से स्वप्न देखना और उन्हें साकार करना। अम्मा... एक बात जानकर तो आपको भी आश्चर्य होगा। जानती हो अम्मा,जब मैंने गिजुभाई जी के व्याकरण के खेल को कक्षा तीन के बच्चों के साथ मिलकर खेला। मुझे तो विश्वास ही नहीं हो रहा था। बच्चे इस खेल में इतना आनंद ले रहे थे और मुझे भी बहुत मज़ा आ रहा था। पता ही नहीं चला कि कब उनके बालमन में खेल-खेल में ही कुछ ही दिनों में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया की गहरी समझ विकसित हो गई। सच में गिजुभाई जी के व्याकरण के इस खेल ने तो कमाल ही कर दिया। इस खेल की जितनी प्रशंसा की जाए उतना ही कम है। उन्होंने इतने नीरस व जटिल विषय को भी इतनी सहजता एवं सरलता से सिखा दिया। गिजुभाई जी की कुछ बातें तो मुझे बड़ी अचंभित करती हैं अम्मा। बच्चों का ज्ञान स्थाई हो, इसके लिए आसपास के क्षेत्र का भ्रमण कराना, नदियों के किनारे पर ले जाना, कक्षा में दूरबीन व टेलीस्कोप जैसे विभिन्न यंत्रों को सहायक सामग्री के रूप में इस्तेमाल करना, विद्यार्थियों को चित्रकारी की बारीकियां सिखाने के लिए चित्रकार को बुला लाना। उनके कार्य के प्रति समर्पण, त्याग, निष्ठा व लगन के भाव को प्रदर्शित करते हैं। काश! ऐसे दिव्य गुण संसार के सभी शिक्षकों के भीतर प्रकट हो पाते और दुनिया के सभी विद्यालय आनंदघर बन जाते। बच्चों के प्रति उनके हृदय में स्नेह व वात्सल्य वंदनीय है। शायद इसीलिए बच्चे उन्हें बड़े प्यार से मूछोंवाली मां कहकर संबोधित करते थे। मां...यह सब बातें उन दिनों की है, जब अपने देश पर अंग्रेजों का शासन था। इतने वर्षों बाद भी शिक्षक की बच्चों को पढ़ाने व सिखाने की वह विधा एवं तकनीक आज भी उतनी ही प्रभावशाली है। शत-शत नमन है, ऐसे महान व्यक्तित्व को जिसके चरणों में बार-बार सिर सहज ही श्रद्धा से झुक जाता है और आंखें नम हो जाती हैं। अम्मा...आशीर्वाद दें। आपकी बेटी भी गिजुभाई जी के मार्ग पर चलकर विद्यालय को आनंदघर बनाने के अपने सपने को साकार कर सके।

विनम्रता निर्बलता नहीं सफलता की प्रशस्ति का मार्ग

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

कठोर श्रम का पर्याय विनम्रता

जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा इसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगी। कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे द्य निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती है। जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैं। संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं ।इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है। मनुष्य को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता, हंसता और खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती,और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुनः साहस के साथ पुनःतैयार होता है तो वह आने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस,मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है। अपनी कमियों को दूर करने की हर संभव कोशिश भी की है ।इस तरह वह अगली परीक्षा में जरूर सफल होता है और यही मानव जीवन का सफल अध्याय भी होता है। कुल मिलाकर परिस्थितियां तथा घटनाएं,दुर्घटनाएं मनुष्य को परिस्थितियों के सामने पराजित करने, झुकाने की कोशिश करती हैं किंतु मानव अपने शारीरिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक एवं मानसिक आत्मबल से उसे सफलता में बदल देता है।

कविता
यह बदकिस्मती नहीं तो और क्या है ?

घटती-घटना

प्रो.शामलाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

यह बदकिस्मती नहीं तो और क्या है
जिसे हम चाहे वह किसी और को चाहता है।
जिसके लिए देने को तैयार हैं अपनी जान हम
वह हमारा ही खूंखार कातिल बन जाता है।
जिसने ईमानदारी से काम कर खाया हो
उस,पर ही चोरी का झूठा इल्जाम लग जाता है!
जन्म-जन्मांतर तक साथ देने वाले पति-पत्नी
को ˙ हनीमून से आते ही तलाक हो जाता है।
जिसे लाड प्यार और त्याग से पाला था जिसने
बेटा ही बूढ़े बाप को वृद्ध आश्रम को भागाता है।
तरस करके जिसको दिया था उधार हमने पैसाका
लौटना तो क्या वही ही आंखें दिखाता है।
चलो आज हम आपको एक पुरानी कहानी सुनाते हैं
प्रेमिका को पाने के लिए बेटा मां का कलेजा लाता है।
पांडवों की तरह एक दूसरे पर कुर्बान होने वाले भाई कहां
जायदाद की खातिर भाई ही सुपारी दिलाता है।
कामवासना के पीछे इस तरह अंधे हो रहे हैं लोग
सुंदर स्त्री देख पहुंचा हुआ संत भी फिसल जाता है।
कलयुग में सतयुग, द्वापर और त्रेता की बातें करते हैं
रामायण की बात करते हैं और महाभारत करवाते हैं।
छोटे बड़े का लिहाज नहीं, कैसे पूर्वज हम कहलाते हैं।
यह हमारी बदकिस्मती नहीं तो क्या है, हम अपने
जीवन में चाहते कुछ और हैं और होता कुछ और है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

शहर के होटल में व्यवसायी ने फांसी लगाकर किया खुदकुशी,कमरे में मिला सुसाइड नोट

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

शहर के बस स्टैंड स्थित एक होटल के कमरे में युवक की फांसी के फंदे पर लटकती लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। होटल मालिक की सूचना पर पुलिस व फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरु की। युवक की पहचान सीतापुर निवासी के रूप में हुई है। वह शहर में किराए के मकान में रहता था। 17 अप्रैल को वह होटल में पहुंचा था। मृतक ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है।

जानकारी के मुताबिक पुरानी बस्ती सीतापुर निवासी मनीष कुमार गुप्ता पिता ईश्वर प्रसाद गुप्ता 32 वर्ष,पूर्व में मोबाइल दुकान का संचालन करता था। पिछले कुछ वर्षों से वह अंबिकापुर के गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कन्या परिसर मार्ग में आयुर्वेदिक अस्पताल के पास किराए के मकान में रह रहा था। यही पास में वह कपड़ा दुकान भी खोला था, जिसका उद्घाटन रामनवमी के पहले हुआ था। गुरूवार को दोपहर करीब 12 बजे वह अंतर्राज्यीय बस अड्डा के पीछे स्थित होटल एसआर इन में स्कूटी क्रमांक सीजी 15 डीएन 0540 से पहुंचा और एक कमरे की मांग किया। होटल के मैनेजर विनय सिंह ने कमरा देने के पूर्व जब उससे पूछताछ किया तो वह अपना निवास स्थल पुरानी बस्ती सीतापुर बताया। उसने सीने में तकलीफ होने की वजह से डॉक्टर को दिखाने के लिए अंबिकापुर आने की बात कही और आराम करने के लिए कमरे की मांग किया। होटल के मैनेजर ने उसे प्रथम तल पर स्थित कमरा नम्बर 103 दे दिया था। युवक रूम का किराया बाद में देने की बात कहते हुए कमरे में चला गया था। होटल में कमरा लेने के बाद वह अपनी मां सहित कुछ लोगों से बातचीत भी किया था। होटल के मैनेजर ने रूम का रेंट जमा करने के लिए गुरूवार की शाम और रात को फोन करके मनीष कुमार गुप्ता से संपर्क करने का प्रयास किया, तो वह फोन रिसीव नहीं किया था। उन्होंने सोचा तबियत खराब है, हो सकता है आराम कर रहे होंगे। सुबह कमरा नंबर 103 का घंटी बजाने और खटखटाने पर जब किसी प्रकार की प्रतिक्रिया अंदर से सुनने को नहीं मिली, तो बगल में स्थित कमरा नंबर 104 की खिडक़ी के रास्ते से होकर रूम नंबर 103 की खिडक़ी तक पहुंचे।

किसी तरह खिडक़ी को खोलकर जब अंदर झांके को पंखा में गमछा के सहारे युवक का शव लटक रहा था। इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। युवक के द्वारा होटल में जमा किए गए दस्तावेज के आधार पर स्वजन को इसकी सूचना दी गई थी, इनके आने के बाद पंचनामा तैयार करके कमरे को पुलिस ने खोला। कमरा नंबर 104 की खिडक़ी के रास्ते से पुलिस विभाग के डीएसपी फारेंसिक कुलदीप कुजूर,बस स्टैंड प्रभारी संदीप कुमार सिंह, प्रधान आरक्षक अमित सिंह सहित अन्य छोटे पोर्च में पहुंचे। इसके बाद कमरा नंबर 103 की खिडक़ी से उक्त कमरे में प्रवेश किए, जिसके अंदर व्यवसायी युवक मनीष कुमार गुप्ता का शव फांसी पर लटका था। अंदर से बंद कमरे को पुलिस ने खोला और स्वजन के समक्ष शव का मौका पंचनामा बनाया। युवक के शव को फांसी पर लटके देखकर स्वजन रो पड़े। युवक का ससुराल अंबिकापुर के दर्रीपारा मोहल्ले में है, जिस कारण काफी संख्या में ससुराल पक्ष के लोग भी होटल में पहुंचे थे।

कपड़ा लेने निकला फिर घर नहीं लौटा

मृतक के साला का कहना है कि मृतक मनीष कुमार गुप्ता घर में अपनी पत्नी को दुकान के लिए कपड़ा लेने के लिए जाने की बात कहकर दिन में 10.30 बजे निकला था, इसके बाद देर शाम तक घर नहीं लौटा। फोन में संपर्क करने पर भी बात नहीं हुआ, जिससे वे चिंतित हो उठे। सगे संबंधियों से पूछताछ में भी कुछ पता नहीं चला। इसके बाद गांधीनगर थाना में उन्होंने इसकी सूचना भी दी थी। मृतक के भाई ने बताया कि एक दिन पहले ही मनीष सीतापुर गया था। बातचीत में उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत या परेशानी हो, ऐसा आभास उन्हें नहीं हुआ था। सभी से अच्छे से मिलकर वह अंबिकापुर निकल गया था। मृतक का पत्नी,12 वर्षीय पुत्र सहित भरा-पूरा परिवार है, जो इस घटना के बाद सदमे में हैं।

नशीले कैप्सूल व महुआ शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

- सवाददाता -
अंबिकापुर,18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

संभागीय आबकारी उडऩदस्ता टीम ने दो अलग-अलग प्रकरण में 1136 नग नशीले कैप्सूल व 41 लीटर महुआ शरब के साथ दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। उडऩदस्ता टीम ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम भगवानपुर खुर्द थाना गांधीनगर निवासी अरुण सिंह चौहान अपने घर में भारी मात्रा में नशीला कैप्सूल रखकर बेच रहा है। मुखबीर की सूचना पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी ने टीम के साथ अरुण सिंह चौहान के घर दबिश दी। अरुण सिंह चौहान के घर की तलाशी में 1136 नग नशीली कैप्सूल बरामद की गई जिसमें 704 नग स्पास्मो प्रॉक्सीवन प्लस कैप्सूल तथा 432 नग प्रोक्सीको स्पास कैप्सूल कुल 1136 नग जब्त किया गया। टीम ने आरोपी अरूण सिंह चौहान को गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरे प्रकरण में आबकारी उडऩदस्ता टीम ने गांधीनगर थाना क्षेत्र के नालापारा गंगापुर निवासी धरम अगरिया के कब्जे से 41 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी अरुण सिंह चौहान के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(सी) धरम अगरिया के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) एवं 59 (क) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

मोबाइल चोरी करते आरक्षक सीसीटीवी कैमरे में कैद,वीडियो हो रहा है वायरल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

आरक्षक द्वारा ग्राहक सेवा केंद्र में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर की मोबाइल चोरी कर लेने का मामला सामने आया है। आरक्षक की यह करतूत वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मोबाइल चोरी का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। घटना 17 मार्च की बताई जा रही है। दरअसल आरक्षक वहां अपना मोबाइल चार्ज कराने के बहाने पहुंचा था,इसके बाद काउंटर पर रखा मोबाइल लेकर फरार हो गया। पीड़ित ने 22 मार्च मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी।आरक्षक का नाम दुर्गेश दीक्षित बताया जा रहा है। वह लंबे समय से ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहा है। ऐसे में उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी चल रही है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि 17 मार्च की दोपहर करीब 12.25 बजे आरक्षक वर्दी में शहर के गांधी चौक स्थित एक ग्राहक सेवा केंद्र में आता है।

यहां वह अपना मोबाइल निकालकर ग्राहक सेवा केंद्र में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर को बैटरी चार्ज करने के लिए देता है। जब संचालक मोबाइल को चार्ज में लगाने लगता है, इसी दौरान आरक्षक काउंटर पर रखा संचालक का मोबाइल लेकर अपनी जेब में रख लेता है और वहां से चला जाता है। आरक्षक के जाने के बाद जब कंप्यूटर ऑपरेटर ने जब वहां अपना मोबाइल नहीं देखा तो खोजबीन शुरू की। इसके बाद उसने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला तो आरक्षक मोबाइल चोरी करते नजर आया। कंप्यूटर ऑपरेटर ने 22 मार्च को मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई। बताया जा रहा है कि सीसीटीवी में आरक्षक का चेहरा स्पष्ट नजर आने के बाद भी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

बाइक से गिरकर घायल हुई बालिका की इलाज दौरान मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

भाई के साथ घर आ रही बालिका अनियंत्रित होकर मोटरसायकल से गिर गई, जिसमें उसे सिर में गंभीर चोटें आई थी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम गेरसा की रेशमा नागवंशी पिता मंगना नागवंशी 14 वर्ष, 17 अप्रैल को दोपहर करीब 2.30 बजे अपने भाई राकेश नागवंशी के साथ मोटरसायकल में बाजार गई थी। यहां से वापस आते समय बीटीआई चैक में मुख्य मार्ग पर चलती मोटरसायकल से गिर गई, जिसमें उसे सिर में गंभीर चोटें आई थी। स्वजन उसे पत्थलगांव स्वास्थ्य केन्द्र ले गए, यहां से रिफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां जीवन-मौत से संघर्ष करते 18 अप्रैल को अपरान्ह 3.30 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

आवास प्लस 2.0 का सर्वे जारी,वंचित परिवारों को पक्का मकान दिलाने जुटे जनप्रतिनिधि

» लूण्ड्रा विधायक एवं राज्य युवा आयोग अध्यक्ष ने किया आवास प्लस का सर्वे

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

प्रदेश में ÷मोर दुआर साय सरकार÷ महाअभियान पखवाड़ा चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए आवास प्लस 2.0 का सर्वे जारी है। इस अभियान का उद्देश्य ऐसे पात्र परिवारों को चिन्हित करना है जो अभी तक प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित रह गए हैं, ताकि उन्हें पक्के मकान का लाभ मिल सके।

इस अभियान अंतर्गत लूण्ड्रा विधानसभा विधायक श्री प्रबोध मिंज ग्राम पंचायत करोंधा में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे जहां उन्होंने श्रीमती सुखमनिया यादव का आवास प्लस का सर्वे किया। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत तय समयसीमा में मकान पूर्ण करने वाले हितग्राहियों को उपहार भेंटकर सम्मानित भी किया।

लूण्ड्रा विधायक श्री मिंज ने कहा, ÷प्रदेश में सुशासन की सरकार है प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित पात्र लोगों को योजना से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा हैं। इस सर्वे के माध्यम से अधिक से अधिक ग्रामीण परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित होंगे। उन्होंने सभी ग्रामीणों से अपील की है कि वे इस सर्वे में सहभागी बनें और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उठाएं।

इसी क्रम में राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर द्वारा आवास प्लस सर्वे मे अपनी भागीदारी निभाई। श्री तोमर अम्बिकापुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत करजी की रहने वाली श्रीमती गुलाबी नायक और श्रीमती राधा नायक के घर पहुंचे, जहां उन्होंने आवास प्लस 2.0 मोबाइल एप के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का सर्वे किया।

इस दौरान उन्होंने ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि ÷मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अगुवाई मे सरकार आम जनता के सपनों को साकार करने हेतु प्रतिबद्ध है। इस सर्वे के माध्यम से उन सभी वंचित हितग्राहियों को एक बार फिर पक्का आशियाना दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।÷ उन्होंने लोगों से आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है, जिससे प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का लाभ मिल सके।

इस कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों जनप्रतिनिधियो सहित प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी भी मौजूद थे।

क्रुसित किए गए प्रभू यीशु को मसीही समाज ने किय याद

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

मसीही समाज पवित्र सप्ताह गुडफ्राइडे के दिन यीशु को कुसित कर सूली पर चढ़ाये जाने के दिन को याद कर भक्ति आराधना में लीन हैं। गुडफ्राइडे के अवसर पर नवापारा स्थित बेदाग ईश माता महागिरिजाघर में परम्परागत ढंग से विविध धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए। पुण्य शुक्रवार के समस्त धार्मिक अनुष्ठान अम्बिकापुर धर्म प्रांत के धर्माध्यक्ष बिशप अंतोनिस बड़ा की अगुवाई में फादर विलियम उर्रे व पल्ली पुरोहित फादर जार्ज ग्रे कुजूर ने संयुक्त रूप से सम्पन्न कराए।

आज के दिन ही राजा पिलातयूस ने प्रभु यीशु को मृत्यु दण्ड की सजा सुनाकर यीशु के ही कंधे पर क्रूस लादकर उन्हें कलवारी पहाड़ ले जाने का आदेश दिया था और उन्हें सूली पर चढ़ा दिया गया था। प्रभु येशु ने जिस तरह दुखभोग किया उन्ही पलों को याद कर दोपहर 2 बजे से क्रूस रास्ता कार्यक्रम पटेल पारा के अगुवाई में चौदह पारा टोलों के लोगों ने क्रमवार मिलकर सम्पन्न कराया। इस दौरान पवित्र बाइबिल से दो पाठ का वाचन होलीक्रास की सिस्टर साधना तिर्की व सिस्टर मंजू किरण तिर्की द्वारा किया गया। प्रभु येशु के दुखभोग कथा का वाचन सेंट जेवियर के फादर्स ने कर उन पलों का स्मरण किया गया। इस दौरान बीच बीच में भक्तिमय गीतों की मनमोहक प्रस्तुति सिस्टर सबीना केरकेट्टा की अगुवाई में होलीक्रास व पटपरिया की टीम ने भक्तों के बीच माहौल को दुख भोगमय बना रही थी। इस अवसर इस अवसर पर पूर्व महापौर अजय तिर्की,राजेन्द्र तिग्गा,काथलिक सभापति फ्रांसिस केरकेट्टा,रुबेन तिग्गा, डॉ रोजलिन, जगजीत मिंज,अजय अरुण मिंज, भानु खलखो,फादर मुक्ति,फादर पीटर,फादर अमृत टोप्पो,फादर जॉन जैसवाल कुजूर व बड़ी संख्या में मसीहिजन उपस्थित थे।

स्वार्थों को लेकर आपसी मारामारी में लोग हैं लोग

बिशप ने पवित्र शुक्रवार विशेष धर्मविधि के अनुष्ठानों को सम्पन्न कराते हुए कहा कि आज का दिन समस्त मानव की मुक्ति के लिए प्रभु येशु के बलिदान का दिन है। येसु ने जहां हमारे लिए अपने प्राण दे दिए, अपना जीवन समर्पित कर दिया लेकिन आज हम और हमारे इर्द गिर्द येसु के वो संदेश व प्रेरणा क्यों नही दिखते,स्वार्थों को लेकर लोग आपसी मारामारी में लगे हुए हैं, वास्तव में हम उन मूल्यों से भटक गए जो येसु ने अपने प्राण व रक्त देकर दिए।

C M Y K

अमेरिका के कानूनों के खिलाफ जाने वाले छात्रों को भुगतने होंगे परिणाम, अमेरिकी विदेश विभाग ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल 2025। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी कानूनों के खिलाफ जाने का प्रयास करने वाले छात्रों को निर्वासन समेत कई गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। बता दें कि, अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता मार्गरेट मैकलियोड ने कहा कि ट्रंप प्रशासन आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम और विदेशी पंजीकरण अधिनियम समेत आव्रजन कानूनों को सख्ती से लागू कर रहा है। उन्होंने कई अमेरिकी विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों के सामने आने वाले मुद्दों से संबंधित एक सवाल पर कहा,यदि आप कानून का पालन करते हैं,तो अमेरिका अवसर प्रदान करता है। लेकिन जो लोग कानून का उल्लंघन करते हैं,उन्हें परिणाम भुगतने होंगे।

भारतीय छात्रों पर संकट

हाल ही में कई भारतीय छात्रों को अमेरिकी अधिकारियों से वीजा को लेकर चेतावनी भरे ईमेल और नोटिस मिले हैं। इनमें से कुछ छात्रों ने फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनों में भाग लिया था,जबकि कुछ मामूली कानूनी उल्लंघनों में शामिल थे। इसके कारण कई छात्रों के एफ-1 स्टूडेंट वीजा रद्द किए गए हैं और उन्हें देश छोड़ने का नोटिस मिला है। वहीं इस पर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को कहा,हमें पता है कि कई भारतीय छात्रों को अमेरिकी सरकार से उनके एफ-1 वीजा को लेकर नोटिस मिले हैं। हमारी एम्बेसी और वाणिज्य दूतावास उनके संपर्क में हैं और उन्हें हर संभव सहायता दी जा रही है।

कानून का पालन जरूरी

हालांकि मैक्लियोड ने किसी खास केस का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने बार-बार इस बात पर जोर दिया कि अमेरिकी वीजा नियमों और कानूनों का पालन जरूरी है। अगर कोई इनका उल्लंघन करता है, तो उसे सख्त सजा भुगतनी पड़ेगी। मैक्लियोड ने कहा,जो लोग अमेरिका में गैरकानूनी तरीके से रह रहे हैं, खासकर भारतीय परिवारों के रिश्तेदार, वे स्वेच्छा से अपने देश लौट सकते हैं। अगर वे खुद नहीं लौटे तो उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे लोग होमलैंड सिक्योरिटी विभाग या सीबीपी ऐप के जरिए अपने देश लौटने की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में 3.3 लाख से अधिक भारतीय छात्र अमेरिका में पढ़ाई कर रहे हैं। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है और भारत अमेरिका में सबसे ज्यादा छात्रों वाला देश बन गया है। लेकिन फरवरी 2025 में, जब ट्रंप प्रशासन का दूसरा कार्यकाल शुरू हुआ।

मुर्शिदाबाद में हिंदू परिवारों की हत्या और पलायन के विरोध में फूटा सर्व हिंदू समाज का गुस्सा

» आक्रोश मशाल रैली एवं नुक्कड़ सभा का आयोजन, राष्ट्रपति को सौंपा ज्ञापन

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

गत दिवस गुरुवार देर शाम पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंदू समाज पर हुए क्रूर हमले के विरोध में आज सरगुजा जिले के सर्व हिंदू संगठनों एवं समाज प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

स्थानीय अंबिकापुर मल्टीपरपज स्कूल ग्राउंड में एकत्रित होकर सर्व हिंदू समाज के लोगों ने आक्रोश मशाल रैली निकाली,जो महामाया चौक,संगम चौक होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। घड़ी चौक पर आयोजित नुक्कड़ सभा में वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए घटना की निंदा की और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए जितेंद्र शर्मा ने कहा कि मुर्शिदाबाद की घटना को मानवता के खिलाफ बताया और कहा कि हिंदू समाज अब शांत बैठने वाला नहीं है। उन्होंने प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की।

इस अवसर पर अतुल सिंह ने कहा कि यह हमला केवल एक समाज पर नहीं,बल्कि भारतीय संस्कृति और सहिष्णुता पर हमला है। उन्होंने हिंदू समाज से संगठित रहने का आह्वान किया।

अपने संबोधन में बंशीधर उरांव ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब समाज को एकजुट होकर ऐसे अत्याचारों के खिलाफ संघर्ष करना चाहिए।

आलोक दुबे ने संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू समाज को डराने की साजिशें सफल नहीं होंगी। हम अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए सदैव तैयार हैं।

निलेश सिंह ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार से इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप की मांग की और दोषियों को कड़ी सजा देने की बात कही।

इस अवसर पर इंदर भगत ने कहा कि समाज के युवाओं को जागरूक होने का संदेश दिया और कहा कि अब हमें अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए सजग रहना होगा।

तथा सुधाकर सिंह ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू समाज अब जाग चुका है, और हम अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे।

इस अवसर पर नगर के सभी प्रमुख हिंदू संगठनों-विश्व हिंदू परिषद,बजरंग दल,श्रीराम सेना, लोकमान्य तिलक गणपति स्थापना समिति सहित कई सामाजिक संगठनों ने भाग लिया।

आक्रोश मशाल रैली कार्यक्रम का संचालन विनोद हर्ष तथा आभार गोल्डी बिहाड़े ने किया।

आक्रोश मसाल रैली कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया,अंबिकेश केसरी, अशोक सिंह,मंजूषा भगत,हरविंदर सिंह टिन्नी,मनोज कंसारी, कमलेश तिवारी,फुलेश्वरी सिंह, जन्मजय मिश्रा,विकास पांडे, अशोक दुबे, जन्मजय पांडे, अंजनी दुबे,शशिकांत जायसवाल, अनिल तिवारी,प्रियंका चौबे, सहस्त्रजीत सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डॉ अम्बेडकर सम्मान अभियान अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग का भाजपा ने किया सम्मान

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत सरगुजा जिले में अनुसूचित जाति परिवारों के घर जा कर अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल,लूंड्रा विधायक प्रबोध मिंज,सीतापुर विधायक राजकुमार टोप्पो एवं अंबिकापुर महापौर मंजूषा भगत ने अनुसूचित जाति समुदाय के प्रमुखों को शाल, गमछा, श्रीफल एवं फूल मालाओं से सम्मानित किया।

रामगढ़ मंडल में अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने एससी परिवार के रूपन साय,बेलास राम, मोहन साय,लोहार साय,मंगलू राम को सम्मानित किया,लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने धौरपुर मंडल में एससी समाज से लोंदा तुरिया तथा धनेश्वरी बाई का सम्मान किया तथा विधायक राजकुमार टोप्पो ने मंडल मैनपाट में रामकिशुन, सेतराम, राजेश,शिवलाल,सुरेश सहित एससी समाज के 15 लोगों का सम्मान किया ।

अंबिकापुर समलाया मंडल में महापौर मंजूषा भगत व भाजपा जिला उपाध्यक्ष अंबिकेश केशरी ने श्याम प्रसाद चौधरी,श्याम चरण,राम सुजान , पृथ्वी पासवान तथा संतोष पासवान का सम्मान किया ।

पूर्व भाजपा ज़िलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने समलाया मंडल के वीरेंद्र सारथी,रामकिशन पासवान , मोहन लाल,पप्पू हेला एवं सूरज देव रावते का सम्मान किया ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल संविधान निर्माता ही नहीं थे, बल्कि वे सामाजिक समता और न्याय के प्रतीक थे। आज का दिन हमें उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। अनुसूचित जाति वर्ग के सम्मानितजनों का आज सम्मान कर हम उनके योगदान को नमन कर रहे हैं।

लूंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि

बाबा साहब ने समाज के हर वर्ग को समान अधिकार दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। इस अवसर पर अनुसूचित जाति समाज के प्रमुखों का सम्मान कर हम उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहरा रहे हैं। यह केवल सम्मान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

सीतापुर विधायक श्रामकुमार टोप्पो ने कहा कि हमारा संविधान सभी को समान अधिकार देता है, और यह बाबा साहब की दूरदर्शिता का परिणाम है। समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। आज का यह सम्मान समारोह उनके विचारों को धरातल पर उतारने की दिशा में एक सार्थक पहल है। अंबिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। वे हमें सिखाते हैं कि शिक्षा, संघर्ष और संगठन के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाया जा सकता है। आज हमने जिन महानुभावों का सम्मान किया है, वे अपने-अपने क्षेत्र में समाज के लिए कार्य कर रहे हैं और समाज के लिए यह गर्व का विषय है।

पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता, समानता और बाबा साहब के आदर्शों को साकार करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है ।

इस अवसर पर भाजपा जिला कार्यक्रम प्रभारी संतोष दास , मधुसूदन शुक्ला,विकास पांडे , रूपेश दुबे,अभिषेक शर्मा,मनोज सोनी,कृष्ण कुमार शर्मा , सतीश शर्मा,शैलेंद्र शर्मा,अशोक सोनवानी,सालेम केरकेट्टा,शुभ्रा सोनी,प्रबोध सिंह,मनीष बंसल , संजय गुप्ता,प्रदीप प्रेमी,श्रीराम यादव,मोहित नामदेव,रमेश सोनी,प्रियंका चौबे,अनिल सिंह , सरजू यादव सहित भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

महापौर कप रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता

खेल भावना,सौहार्द व समन्वय का अद्भुत संगम

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

कमल युवा वाहिनी समिति द्वारा आयोजित महापौर कप रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत हुए प्रदर्शन मैचों ने खेल भावना, आपसी समन्वय एवं सौहार्द का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया। तीन विशेष मैचों में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, पत्रकारों एवं पार्षदों की टीमों ने भाग लिया।

प्रथम प्रदर्शन मैच में प्रशासन 11 ने नागरिक 11 को शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 8 विकेट से पराजित किया। इस मैच में पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल के नेतृत्व में प्रशासन 11 ने अनुशासित खेल दिखाया,और एसपी सरगुजा को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

टीम नागरिक 11 में भाजपा सरगुजा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया (कप्तान),लुण्ड्रा विधायक प्रमोद मिंज,सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर,महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति हरविंदर सिंह टिन्नी, भाजपा नेता हरपाल सिंह भामरा, अंबिकेश केसरी सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि शामिल रहे।

प्रशासन 11 की टीम में कप्तान एसपी श्री योगेश पटेल, एडिशनल एसपी श्री अमोलक सिंह ढिल्लो, एसडीएम श्री फागेश सिन्हा, सीएसपी, उपसंचालक जिला पंचायत सहित कई प्रशासनिक अधिकारी शामिल रहे।

द्वितीय मैच में डॉक्टर 11 ने लॉयर्स 11 को कड़े मुकाबले में 11 रन से पराजित किया। चिकित्सकों की टीम ने संयमित बल्लेबाज़ी और अनुशासित गेंदबाज़ी का प्रदर्शन किया। तृतीय मैच में पत्रकार 11 ने पार्षद 11 को 6 विकेट से हराया। पत्रकारों की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार बल्लेबाज़ी कर जीत दर्ज की। क्रिकेट प्रतियोगिता में विनोद हर्ष संतोष दास और विवेक दुबे ने अपने शानदार कमेंट्री से दर्शकों के बीच समां बांधे रखा। इन सभी मैचों का उद्देश्य खेल भावना को प्रोत्साहित करना, आपसी समन्वय को बढ़ाना एवं सामाजिक सौहार्द को सुदृढ़ करना रहा। आयोजन में उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं दर्शकों ने इसका भरपूर आनंद लिया। महापौर कप की यह प्रतियोगिता केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के बीच आपसी समझ और सहयोग का उत्सव बन चुकी है।

अवैध महुआ शराब बिक्री मामले में युवक के खिलाफ की गई वैधानिक करवाई

– संवाददाता –
लखनपुर, 18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुंवरपुर नहर मार्ग में लखनपुर पुलिस ने हाथ भट्ठी से बने अवैध महुआ शराब बिक्री मामले में आबकारी एक्ट के तहत युवक के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर 3 लीटर अवैध महुआ शराब जप्त किया है।18 अप्रैल दिन शुक्रवार के दोपहर लगभग 2 बजे पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मुखबिर से 17 अप्रैल दिन गुरुवार की रात 8 बजे पुलिस को सूचना मिली कि नरसिंह राजवाड़े उर्फ चॉकलेट पिता रामकुमार उम्र 25 वर्ष ग्राम लटोरी थाना लखनपुर निवासी जो कुंवरपुर नहर मार्ग से हाथ भट्ठी का महुआ शराब बिक्री करने लखनपुर की तरफ आ रहा है। सूचना पर लखनपुर पुलिस तत्काल मौके पर रवाना हुई आरोपी नार सिंह राजवाड़े उर्फ चॉकलेट के कब्जे से तीन लीटर महुआ शराब कीमत ?300 बरामद कर युवक को हिरासत में लेकर लखनपुर थाने लाया गया। और युवक के खिलाफ आबकारी एक्ट धारा 34 1 क के तहत अपराध पंजीकृत करते हुए आरोपी युवक के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई।

खड़ी ट्रक से हुई टक्कर में घायल बाइक सवार युवक की मौत

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

खड़ी ट्रक से हुई टक्कर में मोटरसायकल सवार एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया दुलदुला थाना क्षेत्र के ग्राम पकरीटोला चरईडांड का संजय राम पिता विश्वनाथ राम 20 वर्ष, अपने एक साथी के साथ मोटरसायकल में कहीं गया था। मुख्य मार्ग में रायकेरा तालाब के पास खड़ी ट्रक क्रमांक सीजी 14 एमके 1188 से इनकी टक्कर हो गई, जिसमें दोनों घायल हो गए थे। घायल संजय राम के पिता विश्वनाथ को उनके ससुर त्रिनाथ ने घटना की जानकारी फोन करके दी थी। घायलों को कुनकुरी स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया था, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर 17 अप्रैल को स्वजन संजय राम को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान अपरान्ह 3.30 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

महिला के गले से सोने का चेन चोरी

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

लुण्ड्रा थाना अंतर्गत हनुमान मंदिर में दर्शन करने के लिए स्वजन के साथ गई महिला के गले से सोने का चेन काटकर ले जाने के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। अंबिकापुर निवासी दीपक सोनी पिता उमेश सोनी ने पुलिस को बताया है कि 12 अप्रैल को हनुमान जयंती के मौके पर वह ग्राम लमगांव में स्थित हनुमान मन्दिर में अपनी पत्नी चांदनी सोनी के साथ दर्शन करने गए थे। दर्शन के दौरान अज्ञात चोर करीब 10 बजे उनकी पत्नी के गले से सोने का चेन काटकर ले गए। रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज करके अग्रिम विवेचना कार्रवाई कर रही है।

कृषक के खाते में रुपये डालने का झांसा देकर 95 हजार की ठगी

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

मणीपुर थाना अंतर्गत ग्राम सुन्दरपुर निवासी कृषक अज्ञात फोनधारक के झांसे में आकर 95 हजार रुपये की ठगी का शिकार हो गया। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और अग्रिम जांच, कार्रवाई में जुट गई है।

ग्राम सुन्दरपुर निवासी धन्नु राम यादव ने पुलिस को बताया है कि 22 मार्च को उसके मोबाइल नंबर पर एक संदिग्ध कॉल आया। फोन करने वाला मेरा आवाज पहचान रहे हो कहते हुए उसके साथ बातचीत करने लगा। जब वह बोला कि नहीं पहचान रहा हूं, तो आवाज पहचानने के लिए कहा। जब वह बोला कि आप मानिकपुरी गुरूजी बोल रहे हैं, तो वह कहा कि हां मैं मानिकपुरी ही बोल रहा हूं। इसके बाद वह कहा कि उसका फोन पे नहीं चल रहा है, वह अपने पुत्र के फोन पे से रकम उसके खाते में डलवा रहा है। इसके बाद कृषक के खाता में फोन पे से 25 हजार रूपये डालने का मैसेज आया और उसमें से 15 हजार रुपये वापस भेजकर 10 हजार रुपये अपने पास रख लेने के लिए कहा गया। इसके बाद 35 हजार रुपये का मैसेज आया, जिसमें से 30 हजार रुपये भेजने और 05 हजार रुपये रख लेने के लिए कहा गया। पुनः 55 हजार रुपये का मैसेज आया इसमें से 50 हजार रुपये रखकर 05 हजार रुपये रख लेने के लिए कहा गया। इसके बाद खाते से कुल 95 हजार रुपये कटने का संदेश मिलने पर उसके होश उड़ गए। साइबर ठगी के मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

नाबालिग लडक़ी को बहला फुसलाकर घर से 50 हजार रुपए लाने के लिए प्रेरित करने के मामले में दो पर रिपोर्ट दर्ज

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना अंतर्गत नाबालिक लडक़ी को बहला-फुसलाकर 50 हजार रुपये घर से लेकर लाने के लिए प्रेरित करने और भगाकर ले जाने का प्रयास करने का मामला प्रकाश में आया है। आरोपियों के चंगुल से छूटकर घर पहुंची लडक़ी ने स्वजनों को घटनाक्रम की जानकारी दी है। रिपोर्ट पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है और अग्रिम जांच कार्रवाई में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक 16 अप्रैल को रात लगभग 2 से 2.30 बजे के बीच 14 वर्षीय नाबालिक घर से गायब हो गई थी। इसकी रिपोर्ट लडक़ी के पिता ने थाने में दर्ज कराई थी, जिस पर दो नामजद आरोपियों के विरूद्ध पुलिस ने केस दर्ज किया था। स्वजन ने पुलिस को बताया था कि उनकी पुत्री कक्षा आठवीं का परीक्षा दी है,उसे एक वर्ष से एक युवक परेशान कर रहा था। 15 अप्रैल की रात 10.30 बजे पत्नी एवं दोनों बच्चों के साथ खाना खाकर वह सो गया था। 16 अप्रैल को अलसुबह 5 बजे पत्नी उठी और बच्चों के कमरे की ओर गई, कमरे में सबसे छोटी नाबालिक लडक़ी नहीं थी। काफी तलाश के बाद भी नाबालिक लडक़ी का पता नहीं चला। घर में रखा 55 हजार रुपये भी नहीं था। 16 अप्रैल की रात नाबालिक लडक़ी घर आई। मां जब उससे पूछताछ की तो वह बताई कि 16 अप्रैल की रात 2 से 2.30 बजे के बीच दो लडक़े उसके घर के पास आए और उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए थे। उसी के कहने पर वह अलमारी से 50 हजार रुपये निकाली थी, जिसे एक युवक ले लिया था और पैसा अपने पास रखा था। दोनों उसे गोरसीडबरा तरफ ले गए थे और कहीं बाहर ले जाने की तैयारी में थे। इसके बाद वह भागकर घर आ गई। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

कोई नगर पालिका बैकुंठपुर में जिम्मेदार व्यक्ति है जो भाजपा समर्थित ठेकेदार को घटिया नाली निर्माण से रोक सके?

क्या ठेकेदार 17 प्रतिशत कम में ठेका लेकर नाली निर्माण में भ्रष्टाचार करके कमाएगा लाखों?

पत्नी पार्षद पति ठेकेदार और नगर पालिका निर्माण कार्य में जमकर भ्रष्टाचार?

कहां है घटिया निर्माण की जांच करने वाले जिम्मेदार?

किसी भी सरकारी काम में हैंड ब्रोकर गिट्टी का नहीं होता उपयोग फिर बैकुण्ठपुर नगर पालिका के नाली निर्माण में हैंड ब्रोकर के उपयोग करने की अनुमति किस अधिकारी ने दी?

रजनीश गुप्ता नाम के ठेकेदार हैंड ब्रोकर गिट्टी का उपयोग करके 43.32 लाख की नाली 36 लाख में बनाएंगे?

नाली के साइड वॉल की भी मोटाई हुई कम,चलो घटिया नाली बनाए हम...नगर पालिका बैकुंठपुर,नाली निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल...क्या नगर पालिका करेगी इसकी जांच या फिर भाजपा समर्थित ठेकेदार होने का मिलेगा लाभ?

43 लाख 32 हजार के नाली निर्माण का काम कैसे होगा 36 लाख में? नाली के बेस में मानक से कम मटेरियल लगाकर नाली की गुणवत्ता को करेंगे खराब

घटती घटना | सूरजपुर-कोरबा-कोरिया-समाचार | अम्बिकापुर,शुक्रवार 11 अप्रैल 2025 | 6

पत्नी पार्षद पति ठेकेदार और नगर पालिका निर्माण कार्य में जमकर भ्रष्टाचार?

किसी भी सरकारी काम में हैंड ब्रोकर गिट्टी का नहीं होता उपयोग पर बैकुण्ठपुर नगर पालिका के नाली निर्माण में हैंड ब्रोकर गिट्टी कैसे हो रहा उपयोग?

रजनीश गुप्ता नाम के ठेकेदार हैंड ब्रोकर गिट्टी का उपयोग कर बना रहे हैं 43.32 लाख की नाली

नाली निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल क्या नगर पालिका करेगी इसकी जांच या फिर भाजपा समर्थित ठेकेदार होने का मिलेगा लाभ?

43 लाख 32 हजार के नाली निर्माण का काम कैसे होगा 36 लाख में?

गुणवत्ताहीन नाली निर्माण अपना अंतिम रूप लेता हुआ

बैकुंठपुर शहर का गुणवत्ताविहीन नाली निर्माण कार्य अपना अंतिम रूप लेता हुआ अब नज़र आ रहा है। नाली का निर्माण कार्य लगभग पूर्णता की ओर है और ठेकेदार जो पार्षद पति भी हैं भाजपा नेता भी हैं निश्चिंत हैं कि उनका बिल भुगतान होने से कोई नहीं रोक सकता क्योंकि उनका अध्यक्ष से सीधा संवाद है, कुल मिलाकर ठेकेदार को यह विश्वास है कि उनका बिल नहीं रुकने वाला क्योंकि नगर में उनकी सरकार है।

क्या नाली निर्माण देखने के लिए नगर पालिका में कोई जिम्मेदार नहीं?

नाली निर्माण कार्य एक पार्षद पति ठेकेदार गुणवत्ताविहीन करता रहता है वह पूर्ण होता जाता है और कोई जिम्मेदार नहीं जो मौके पर जाकर देख सके कि नाली की गुणवत्ता सही है गलत है,वैसे सीएमओ साहब भी स्थानीय हैं वह संबंध के साथ शायद लंबा टीके रहना चाहते हैं और जिस वजह से वह भी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर 18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

बैकुंठपुर नगर पालिका में पार्षद पति ठेकेदार के द्वारा 43 लाख की नाली को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाया जा रहा है जहां शुरुआती दौर में नाली के बेस को बनाने के लिए हैंड ब्रोकर गिट्टी का इस्तेमाल किया गया था अब तो नाली के साइड वॉल की मोटाई कम कर दी गई है क्या ठेकेदार साहब नाली की साइड वालों की मोटाई कम करके भ्रष्टाचार युक्त नाली बनाने की कसम खा चुके हैं क्या साइड वॉल की मोटाई कम कर भ्रष्टाचार वाली नाली बनाए हम का एक स्लोगन तैयार कर दिया है? नगर पालिका बैकुंठपुर के पार्षद पति ठेकेदार 43 लाख 32 हजार की नाली 36 लाख में कैसे बनाएंगे यह बड़ा सवाल है 17 प्रतिशत कम दर पर उन्होंने काम लिया है 500 मीटर नाली निर्माण का क, यानी की 8 लाख 50 हजार कम में इस काम को उन्होंने हासिल किया है इसके बाद अधिकारियों का कमीशन व जनप्रतिनिधियों का कमीशन भी इन्हें इसमें देना है और अपनी कमाई भी इसमें करना है अब ऐसे में कितना गुणवत्तायुक्त यह कार्य होगा यह अभी से ही समझ में आने लगा है? नाली निर्माण के काम शुरू होते ही प्रथम दृष्टि में अनियमितता दिखने लगी है जहां पर क्रशर का 40 एमएम गिट्टी का इस्तेमाल होना है वहां पर यह हैंड ब्रोकिंग गिट्टी का इस्तेमाल कर रहे हैं नाली में जहां 10 सेंटीमीटर रेत डालना है वहां यह 5 सेंटीमीटर रेत डाल रहे हैं, जहां पर नाली के बेस में 5 इंची ढलाई करना है वहां पर यह 2 से 3 इंची ढलाई कर रहे हैं निर्माण में जो नहीं दिखने वाली चीज है उसमें भी अब इनका भ्रष्टाचार दिखने लगा है अब नाली के साइड वॉल की मोटाई वह कम कर दिए है, जो नाली निर्माण नियम के विरुद्ध है पर जिम्मेदार क्या उन्हें ऐसा करने की अनुमति दे दिए हैं जिस वजह से वह बिना डर भय के भ्रष्टाचार युक्त 43 लाख की नाली बनाएंगे? अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्वालिटी क्विट टेस्ट रिपोर्ट इन्हें सबकुछ ओके करके कौन सी एजेंसी देगी तब जाकर इनका बिल पास होगा। लोहे के सरिया में भी जो स्टीमेट के अनुसार क्वालिटी वाला सरिया लगाना है वह भी यह नहीं लगा रहे हैं लोकल स्तर का लगाकर नाली निर्माण को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं इनका मानना है कि यह भाजपा समर्थित ठेकेदार हैं इस वजह से उनका बिल नहीं रुकेगा और पैसा निकल जाएगा पर क्या सही में ऐसा होगा क्या आंख मूंद कर जिम्मेदार उनके कार्यों पर हस्ताक्षर करके इनको पैसे का भुगतान करेंगे या फिर निष्पक्ष तरीके से इनका कार्य ओके क्विट क्वालिटी टेस्ट होगा?

शहर के बीचो-बीच बनने वाली 500 मी नाली निर्माण कार्य में दिख रहा है भ्रष्टाचार

नगर पालिका बैकुंठपुर के नए बस स्टैंड के पास में रोड में 500 मी नाली निर्माण हो रहा है और प्रथम दृष्टि में यह कार्य गुणवत्ताहीन दिख रहा हैं कोई भी निर्माण एजेंसी हैंड ब्रोकिंग गिट्टी का इस्तेमाल नहीं करती है पर यहां पर ठेकेदार महोदय क्रेशर गिट्टी की जगह हैंड ब्रोकिंग गिट्टी का इस्तेमाल कर रहे हैं लग रहा है कि 17 प्रतिशत कम में जो काम लिए हैं वह यहीं से ही वह मेकअप करेंगे यानी की वह नाली के गुणवत्ता को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाएंगे इसी वजह से वह 17 प्रतिशत बिलो में काम हासिल किया है और इस कार्य को भ्रष्टाचार युक्त गुणवत्ता विहीन करके लाखों कमाएंगे और इनका बिल रोकेगा कौन क्योंकि पार्षद पति भी है और भाजपा के नेता भी हैं और नगर पालिका अध्यक्ष के खास भी है?

नाली की गुणवत्ता उसके बेस की क्वॉलिटी से होगी खराब

निर्माण के जानकारों का कहना है कि एक अच्छी नाली की गुणवत्ता उसका बेस होता है बेस जितना अच्छा होगा नाली की गुणवत्ता उतनी अच्छी होगी बेस का मतलब है कि निचला हिस्सा जिसमें एस्टीमेट के अनुसार जितना बालू डालना है और जितना मोटा उसका ढलाई करना है उतनी होगी तब नाली की मजबूती अच्छी होगी यदि बेस खराब होगा तो नाली की गुणवत्ता भी खराब होगी और यहां पर ठेकेदार बेस में अपना पैसा बचाना चाहते हैं क्योंकि बेस को कोई देखता नहीं है और ऊपर का हिस्सा दिख जाता है जिस वजह से वह ऊपर के हिस्सा में एस्टीमेट के तहत काम करेंगे और नीचे के हिस्से में वह गुणवत्ता के विपरीत काम करेंगे तब जाकर वह 17 प्रतिशत बिलों को मेकअप करेंगे और दो-चार लाख रुपये कमाएंगे।

ऐसे गुणवत्ताहीन कार्य क्वालिटी चेक का प्रमाण पत्र कौन देगा?

प्रथम दृष्टि में ही नाली निर्माण गुणवत्ताहीन दिख रही है बेस के काम में लापरवाही बढ़ती जा रही है और यही से ही अपने प्रॉफिट व लॉस को ठेकेदार तय करता है ऐसे में क्वालिटी चेक का प्रमाण पत्र देने वाला व्यक्ति कैसे जांच करके इन्हें गुणवत्ता वाला प्रमाण पत्र देगा कि उनके द्वारा गुणवत्ता के साथ कार्य किया गया है जबकि बेस में गुणवत्ताहीन कार्य हो रहा है जो प्रथम दृष्टि में आज भी देखा जा रहा है नाली निर्माण के कार्य में कई तरह की गुणवत्ताहीन हो रहा है आम आदमी भी समझ सकता है, इस नाली निर्माण में इसके बेस को ही कमजोर बनाया जा रहा है जिस वजह से यह नाली की गुणवत्ता अत्यधिक खराब मानी जा रही है काम अभी शुरू हुआ है और अभी से ही गुणवत्ताहीन कार्य देखने को मिल रहा है तो आगे जाकर इस काम की क्या स्थिति होगी और इस नाली की लाइफ कितनी होगी यह आज से ही लोगों के लिए सवाल बन गया है अब ऐसे गुणवत्ता ही नाली के निर्माण के लिए कौन अधिकारी गुणवत्ता के साथ नाली निर्माण होने का प्रमाण पत्र देगा? नाली में लगने वाला लोहे का सरिया भी गुणवत्ता वाला नहीं है लोकल क्वालिटी का लगाया जा रहा है ऐसा सूत्रों का दावा है।

2 माह के नवजात अबोध बालक को मिला आश्रय

-संवाददाता-
सूरजपुर,18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

दिनांक 17.04.25 को आवेदक लालसाय पिता स्व. सहल चौधरी निवासी ग्राम केवंरा अपनी समस्या लेकर आरक्षित केंद्र प्रतापपुर पंहुचा और वहां जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर की ओर से नियुक्त अधिकार मित्र राम प्रसाद को अपनी समस्या बताई तब अधिकार मित्र द्वारा आवेदक को बताया गया कि इस सम्बन्ध मे वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से सहायता प्राप्त कर सकता है तब आवेदक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पहुंचा और आवेदन प्रस्तुत कर व्यक्त किया कि उसके पुत्र एवं उसके परिवार के अन्य सदस्यो को उसकी पुत्रवधु कि हत्या और साक्ष्य छिपाने के आरोप मे अभियोजित किया गया है तथा उसकी पुत्रवधु मृतिका का 2 माह का नवजात शिशु है जिसकी देखरेख संरक्षण के लिए आवेदक के आलावा कोई और सदस्य नहीं है तथा आवेदक वृद्ध है और नवजात शिशु का पालन पोषण करने मे असमर्थ है आवेदन प्राप्त होते ही माननीय अध्यक्ष / प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर के मार्गदर्शन पर सचिव जिला विधिकसेवा प्राधिकरण श्रीमती प्रतीक्षा अग्रवाल ने बालक कल्याण समिति के अध्यक्ष को शीघ्रतिशीघ्र मामले कि संपूर्ण जांच कर संतुष्ट होने पर नवजात के सर्वोत्तम हित को ध्यान मे रखते हुए अग्रिम कार्यवाही करने का निर्देश दिया जिसपर बालक कल्याण समिति के अध्यक्ष सुश्री किरण सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू, जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल व सहायक कार्यकर्ता संरक्षण अधिकारी, प्रियंका सिंह, परियोजना समन्वयक चाईल्ड हेल्प लाईन, श्री कार्तिक मजूमदार, काउंसलर जैनेन्द्र द्वारा तत्परता दिखाते तत्काल नवजात शिशु को विधिक प्रक्रिया के अनुसरण मे प्राप्त कर मातृ छाया अंबिकापुर ले जाया गया जिससे नवजात को वर्तमान मे उचित देखरेख और संरक्षण प्राप्त हुआ। वहीं दिनांक 17/04/2025 को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के आदेशानुसार एवं माननीय अध्यक्ष / प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर के मार्गदर्शन पर सूरजपुर जिले के दूरस्थ ग्राम पंचायत नावापारा कला एवं ग्राम पंचायत कालामांजन में ग्रामीणों को विधिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से लीगल एड क्लिनिक की स्थापना कि गई और क्लिनिक के संचालन हेतु अधिकारमित्रों को भी नियुक्त किया गया है। लीगल एड क्लीनिक खोले जाने का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को निःशुल्क और सक्षम कानूनी सेवाएं प्रदान करना है, ताकि कोई भी नागरिक आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण न्याय प्राप्त करने के अवसर से वंचित न रह जाएं यह उन लोगों तक पहुंच प्रदान करता है जो कानूनी प्रक्रिया के बारे में नहीं जानते हैं, लीगल एड क्लिनिक में बैठे अधिकार मित्र लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक करते हैं और उन्हें यह समझने में मदद करते हैं कि वे कानूनी सहायता कैसे प्राप्त कर सकते हैं। वे कानूनी सलाह, कानूनी दस्तावेज तैयार करने और लोगों का कानूनी प्रक्रिया तक समान पहुंच प्राप्त हो सुनिश्चित करने लोगों की मदद करते हैं।

पीड़ित का आरोप वनविभाग के कर्मचारियों ने मुझे बलपूर्वक अगवा कर रेंजर के सामने पीटा

पीडित युवक व परिवार से मिलकर विधायक प्रतिनिधी ने न्याय करवाने दिया आश्वासन

महिनो पहले हुई इस घटना पर कार्यवाही के लिए क्या मुहूर्त का इंतजार?

आखिर ऐसे संदिग्ध मामले मे प्रशासन क्यो नही दिखा रहा अपनी गंभीरता?

-संवाददाता-
बैकुंठपुर/सोनहत18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिला के सोनहत थाना अंतर्गत रामगढ़ चौकी क्षेत्र से एक मामला आया है। जहां एक नाबालिक 17 वर्ष के आदिवासी युवक के साथ बिते 19 मार्च को रूह कपा देने वाली घटना हुई है। पीड़ित के मुताबिक बीते लगभग एक माह पूर्व नाबालिग युवक शाम के समय गांव से कुछ दुरी पर जंगल मे खेती बाडी का काम करता है वहा से घर आ रहा था।तभी टेढिया बांध के रास्ते मे बोलेरो गाड़ी से पार्क परिक्षेत्र रामगढ़ के पांच कर्मचारी आये और पीड़ित युवक को जंगल मे आग लगाया है, चल आफिस मे वही कहकर चारो पांचो कर्मचारी धक्का मारते हुए पीडित युवक को गाड़ी मे बैठा लिए और गाली-गलौज करते हुए रामगढ़ पार्क परिक्षेत्र के आफिस मे ले गए और सभी कर्मचारी तथा पार्क परिक्षेत्र रेंजर के द्वारा लात मुक्के से पटककर नाबालिक युवक के पैर के तलवे को डंडे से मार पीट करने लगे। पीड़ित युवक के मुताबिक वह बार-बार उक्त कर्मचारीयो तथा अधिकारी से निवेदन करता रहा खेत गया था लेकिन उसकी बात नही सूनी गई पुरी रात पार्क आफिस के जमीन मे सुलाकर रखे थे। और गाली-गलौज बार बार करते रहे। पीड़ित युवक के आवेदन मे लिखा है की वह उक्त लोगो का नाम नही जानता लेकिन सामने उपस्थित होने पर पहचान कर सकता है। पीड़ित ने शिकायत पत्र मे कर्मचारीयो पर अत्याचार कर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए न्याय हेतु कार्यवाई की मांग की है।

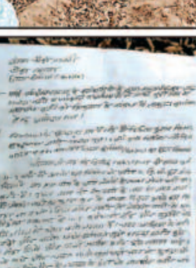
नाबालिग युवक ने सुनाई आपबीती...क्या आदिवासी परिवार को विष्णु के सुशासन मे मिलेगा न्याय?

ऐसे संग्धित मामले मे प्रशासन सुस्त क्यो?

पूरे मामले को देखते हुए यह बात तो लोगों के समझ में आ गई की किस तरह से वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी अपना फर्ज निभा रहे हैं। पूरे घटनाक्रम में यह बात भी सिद्ध होता है कि आमजन पर घटित होने वाली घटनाओं पर न्याय मिलना थोड़ा मुश्किल ही रहता है। जबकि अभी यही मामला कर्मचारीयो के ऊपर हुआ रहता तो प्रशासन तनिक भी देर किए बिना जांच के कार्यवाही कर देती। यह मामला इतना गंभीर है कि क्षेत्र में वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों से ग्रामीण डरे सहमे है परंतु शिकायत होने के महीने भर बाद भी अभी तक घटना को अंजाम देने वाले किसी भी अधिकारी कर्मचारी पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं हुई है यह चिंता जनक विषय है ऐसे में आम जन क्या करें कैसे उसे न्याय मिले यह बड़ा सवाल खड़ा करता है? सवाल यह भी उठता है की क्या जिस प्रकार से घटना को अंजाम दिया गया ऐसे में नाबालिक आदिवासी युवक के साथ कोई अप्रिय घटना हो जाती तभी प्रशासन या पुलिस की आंख खुलती। क्या प्रताड़ित करने वाले मामले पर आगे भी चुप्पी साधे रखेगी प्रशासन या होगी कोई बड़ी कार्रवाई देखने वाली बात होगी।

पीड़ित परिवार से मिले विधायक प्रतिनिधी

बुधवार को भाजपा के मण्डल महामंत्री व विधायक प्रतिनिधी मनोज साहू व दर्जनो भाजपा कार्यकताओ ने पीड़ित युवक व उसके परिवारजन से मुलाकात की तथा उक्त घटनाक्रम की जानकारी ली। इस दौरान विधायक प्रतिनिधी मनोज साहू ने कहा की नाबालिक आदिवासी युवक पर किया गया यह अत्याचार निंदनीय है,ऐसी घटना से क्षेत्र के लोग नाराज है। इस गंभीर विषय पर हम सब मिलकर पीड़ित को न्याय दिलाऐगे क्षेत्रीय विधायक व भाजपा जिलाध्यक्ष को इसकी जानकारी दूंगा और पूरी तरह से न्याय पीड़ित के साथ हो प्रयास करूँगा। साहू ने मांग किया है की उक्त घटना पर प्रशासन तत्काल पार्क रेंजर व सभी कर्मचारीयो पर कार्रवाई करे।

महिनो पहले हुई घटना लेकिन कार्यवाई नही

आपको बता दे की यह घटना 19 मार्च की है जो लगभग एक माह होने को है लेकिन ऐसे निर्मम और संगीन मामले पर पुलिस ने किसी अधिकारी कर्मचारी पर अभी तक कोई कार्रवाई नही की है। सवाल उठता है की क्या प्रदेश मे अफसरशाही हावी है या वन कर्मचारीयो को कोई संरक्षण प्राप्त है क्यो की उक्त घटना काफी गंभीर व दण्डनीय है फिर भी महिनो पहले की घटना पर आज तक कोई संज्ञान नही ले रहा।

पीड़ित युवक ने सूनाई आप-बीती

पीडित युवक ने पार्क परिक्षेत्र के कर्मचारियों अधिकारियों द्वारा की गई प्रताड़ना के विषय में मुलाकात करने गई भाजपा कार्यकर्ताओं की टीम को अपने साथ हुई निर्मम घटना की आपबीती सुनाई ऐसे असंवेदनशील घटनाओं पर क्षेत्र में अंकुश लगना बेहद जरूरी है। क्योंकि वनांचल क्षेत्र में जीविकोपार्जन के लिए ग्रामीणों का आना-जाना लगातार जंगलों में रहता है एवं जंगलों से सटे घर रहते हैं। ऐसी घटनाओं से क्षेत्र में ग्रामीण पर बुरा असर पड़ता है और लगातार भयभीत रहते हैं युवक ने जिस प्रकार से बताया कि कर्मचारियों ने अपनी हैवानियत की सीमा पार कर दी पहले रास्ते में रोका फिर बलपूर्वक गाड़ी में बैठाया और पार्क परिक्षेत्र के ऑफिस ले जाकर पार्क रेंजर के साथ मिलकर पानी पिला पिलाकर मारपीट गाली गलौज के साथ रात भर बंधक बनाकर ऑफिस में पकड़ कर रखा। यह बहुत ही आसंवेदनशील मामला है वर्तमान में प्रदेश में आदिवासी मुख्यमंत्री है व विष्णु के सुशासन की दुहाई चारों ओर दी जा रही है ऐसे में देखने वाली बात होगी पीड़ित आदिवासी युवक को पूरी तरह से न्याय मिल पाता है या नहीं।

ट्रांसफॉर्मर से विद्युत आपूर्ति करने की माँग,जिला पंचायत सदस्य के नेतृत्व में ग्रामीण मिले एई से...

-संवाददाता-
सूरजपुर 18 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

विकासखंड भैयाथान के ग्राम पंचायत बड़सरा के ग्रामीणों ने जिला पंचायत सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में एई विवेक पैकरा से मुलाकात की. ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत बड़सरा के पतेरापारा, पटना रोड साहू पारा और यादव पारा में लगे ट्रांसफॉर्मर से विद्युत सप्लाई चालू करने की मांग की. जिस पर ए ई विवेक पैकरा ने एक सप्ताह के भीतर माँग को पूरा करने का आश्वासन दिया है. इस दौरान जिला पंचायत सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह, विनय जायसवाल (सोनू), रक्षेन्द्र प्रताप सिंह, पंच रामलाल, पंच सूरज सिंह, लक्ष्मण, रूप नारायण, मैन प्रसाद, विनोद और लुकेश साहू समेत अन्य ग्रामीण जन उपस्थित थे।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा0) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ में उपलब्ध नये ईमारती काष्ठ/जलाऊ एवं चंदन काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम - काष्ठागार मनेन्द्रगढ़
नीलाम दिनांक- 23-04-2025
नीलाम समय - प्रातः 09:00 बजे से प्रारम्भ

क्र0	प्रजाति	नये काष्ठ		पुराने काष्ठ	
		लट्ठा घ0मी0	बल्ली नग	लट्ठा घ0मी0	बल्ली नग
1	सागौन	18.461	0	16.639	787
2	साल	192.201	0	341.557	440
3	साजा	2.787	0	58.462	0
4	सतकठा	0	0	0.126	51
5	खम्हार	0	0	11.442	240
6	हल्दू	0	0	0.393	0
7	धावड़ा	8.693	0	0	0
8	सलैया	1.270	0	0	0
योग:-		223.412	0	428.619	1518

जलाऊ काष्ठ

क्र.	विवरण	नया लॉट	पुराना लॉट
1	जलाऊ मिश्रित	-	260 चट्टा

1. क्रेता को ई-ऑक्सन के पूर्व MSTC E- commerce पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट मे रखना अनिवार्य है, सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत E.M.D की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी एवं फोटो MSTC E- commerce पोर्टल में अपने आई.डी से लॉगईन करके देख सकते है।

जी नंबर-252600309/2

वनमण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़

क्या सिटी कोतवाली बैकुंठपुर के प्रभारी एक मासूम बच्ची की मौत का सौदा कर रहे हैं...

जिस वजह से थाना घेराव की स्थिति बन गई ?

स्थानीय पुलिस पर न्याय के लिए कितना भरोसा करें कितनी पुलिस से सही कार्यवाही की उम्मीद करें?

क्या पुलिस से सिर्फ अनैतिक कार्य व अनैतिक कार्यवाही की ही उम्मीद करें, निष्पक्ष कार्यवाही और समाज सुधारक कार्यवाही की उम्मीद उनसे ना करें?

क्या किस बड़े नेता का फोन आया कि बच्ची की मौत के मामले में धारा भी लगाने से डर गए प्रभारी?

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर, 18 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

अब आप सोच रहे होंगे कि यह सवाल क्यों हो रहा है तो यह सवाल इसलिए हो रहा है क्योंकि यह सवाल एक मासूम बच्ची की मौत से जुड़ा हुआ है एक मासूम बच्ची का अपने घर के अंदर ही एक बिना लाइसेंस वाले नौसीखिए के वाहन चलाने की ट्रेनिंग लेने के चक्कर में मौत हो जाती है और उसपर भी राजनीति होने लगती है, बच्ची की जानबूझकर जान लेने का अपराध ना दर्ज करके लापरवाही से बच्ची की जान लेने का अपराध दर्ज किया जाता है,तब सवाल उठता है कि क्या वाकई में किसी बच्ची की जान का सौदा हो रहा है और यह सवाल बहुत ही बड़ा सवाल है इसलिए बड़ा सवाल है क्योंकि पुलिस ने जिस तरह से अपराध दर्ज किया है वह कहीं ना कहीं कानूनी दृष्टिकोण से गलत है, क्योंकि यह हादसा जानबूझकर किया गया हादसा ही माना जाएगा, इसलिए माना जाएगा क्योंकि जिस व्यक्ति को गाड़ी चलानी ही नहीं आती है उस व्यक्ति के पास लाइसेंस नहीं है वैसे व्यक्ति को यदि कोई व्यक्ति रहवासी एरिया में वाहन चलाने की ट्रेनिंग दे रहा है और उस वजह से किसी की मौत हो रही है तो यह मामला किसी हत्या से कम नहीं माना जाएगा, ऐसा कानूनी

जानकारों का भी मानना है। क्योंकि आपको पता है कि आपको गाड़ी चलानी नहीं आती है आपको पता है कि आपके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है और उसके बाद भी आप यदि ऐसा करते हैं और उस वजह से किसी की जान चली जाती है तो यह जानबूझकर किए गए हत्या से कम भी नहीं माना जाएगा, पर उसके बावजूद बैकुंठपुर सिटी कोतवाली के प्रभारी ने 106 की धारा के तहत मामला दर्ज किया और लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाने की बात कहकर गाड़ी सिखाने वाले और गाड़ी चलाने वाले दोनों को मुचलका पर छोड़ दिया, जिसके बाद मृतक बच्ची के परिजनों का आक्रोश बढ़ गया और वह शव को लेकर थाने के सामने बैठ गए। अब सवाल यह उठता है कि आखिर कोतवाली प्रभारी ने ऐसी गलती क्यों की और वह किसके प्रभाव में थे क्या रसूखदार व्यक्ति जिसकी गाड़ी थी वह किसी बड़े नेता से फोन करवा दिया या फिर किसी बड़े अधिकारी का फोन आ गया? जिसके कारण उन्होंने निष्पक्ष कार्यवाही नहीं की एक मासूम बच्ची की जान लेने वाले को छोड़ दिया?

क्या एसडीओपी साहब ने अपने थाना प्रभारी को फटकार लगाई...या प्रभारी की गलती की वजह से आज ऐसी स्थिति निर्मित हुई उसपर उन्होंने कोई कार्यवाही की?

एसडीओ पुलिस बैकुंठपुर ने धरना दे रहे मृतक बच्ची के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि कार्यवाही वह कठोर करेंगे,अब सवाल यह है कि एसडीओ पुलिस साहब ने अपने सिटी कोतवाली बैकुंठपुर प्रभारी को पूरे मामले में फटकार नहीं लगाई और ना ही मृतक बालिका के परिजनों के थाना के सामने शव रखकर प्रदर्शन की स्थिति क्यों निर्मित हुई यह प्रश्न किया,क्या उन्होंने सिटी कोतवाली प्रभारी के विरुद्ध कोई कार्यवाही की और पूरे मामले में उसकी जल्दबाजी और आरोपियों के प्रति सहृदयता को लेकर कोई दंड उसे दिया?

दोषियों के प्रति संवेदना रखने वाले थाना प्रभारी पर कौन करेगा कार्यवाही?

सीटी कोतवाली प्रभारी की आरोपी वाहन चालक के प्रति की गई कार्यवाही संवेदना वाली कार्यवाही नजर आई और कहीं न कहीं उन्होंने एक संवेदनशील मामले में आरोपियों को जल्द से जल्द मुचलका पर रिहा करना ज्यादा जरूरी समझा। ऐसे जल्दबाजी वाले और पीड़ित की बजाए आरोपी के प्रति संवेदना दिखाने वाले सिटी कोतवाली पर कौन कार्यवाही करेगा यह बड़ा सवाल है।

मृतक बच्ची की बहन ने पुलिस के पड़े पांव कहा मेरे बहन कि हत्यारे को मिले सजा?

सिटी कोतवाली के सामने मृत बच्ची का शव रखकर प्रदर्शन कर रहे परिजनों के प्रदर्शन के दौरान उस समय दृश्य मार्मिक और पुलिस के प्रति आम व्यक्ति के अविश्वास से भरा नजर आया जब मृत बच्ची की बहन ने पुलिस के पांव छुए और वाहन चालकों को सजा मिले यह मांग की।

आबकारी विभाग के प्लेसमेंट कर्मचारियों की देखरेख करने वालों की स्कॉर्पियो वाहन से हुआ बड़ा हादसा

मासूम बच्ची की गई जान

तेज रफ्तार वाहनों पर नहीं लग रही लगाम

पुलिस अधिकारी ने मीडिया को दिया आश्वासन वाला सरकारी बयान तुरंत नहीं दिखी मांग पूरा करने की दिलचस्पी

पुलिस अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर मीडिया को केवल आश्वासन वाला सरकारी बयान ही दिया,उनका भी यह कहीं प्रयास नजर नहीं आया कि जल्द वह पीड़ित परिवार और मृत बच्ची के लिए कोई न्याय का रास्ता धरना दे रहे परिजनों को बता सकें या वह खुद ऐसा करने वाले हैं वह जता सके कुल मिलाकर वह मामला दब जाए यही प्रयास करते रहे।

प्रेमाबाग में हुआ दर्दनाक हादसा

स्कॉर्पियो की टक्कर से 8 वर्षीय बच्ची की मौत,थाने के बाहर शव के साथ परिजनों का धरना- ज्ञात होगी कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के प्रेमाबाग कॉलोनी में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में आठ वर्षीय मासूम बच्ची हिमांशी विश्वकर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। बच्ची अपने नाना नानी के आवास के अंदर की बाउंड्री में खेल रही थी, तभी एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी 16 सिकियु 2859 ने बाउंडरी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह क्वार्टर के गेट और दीवार के बीच दब गई। परिजनों ने तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के प्रत्यक्षदर्शी और मृतका के मामा ने बताया कि स्कॉर्पियो को आयुष पैकरा चला रहा था, और उसके साथ एक अन्य युवक भी सवार था। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कर ली है पर इसमें भी उनके नियत में खोट देखने को मिली ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि यह बात उस समय तक स्पष्ट हो चुकी थी कि उस वाहन के मालिक का ड्राइवर एक नौसीखिए को वाहन चलाना सिखा रहा था और जिसे वाहन चलाना सिखा रहा था वह उसका दोस्त बताया जा रहा है अब जिसे गाड़ी चलाने नहीं आता उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस भी कहां से होगा, अब ऐसे व्यक्ति को एक रहवासी क्षेत्र में गाड़ी सिखाना क्या कानूनी जुर्म नहीं है? क्या इसे हत्या की वजह नहीं मानना चाहिए? आखिर आज किसी नौशीखिए को वाहन सीखने की वजह से ही एक 8 साल की बच्ची की मौत हो गई उसके बाद भी सिर्फ गाड़ी चलाने वाले पर अपराध दर्ज कर पुलिस ने कार्यवाही में निष्पक्षता नहीं दिखाई जो गाड़ी सीख रहा था वह भी उतना ही गुनहगार था और जिसकी गाड़ी थी वह भी उतना ही गुनहगार था कि ऐसे व्यक्ति के हाथ में उसने अपनी गाड़ी चलाने की जिम्मेदारी सौंप रखी थी?

शव के साथ परिजनों ने दिया धरना, कार्यवाही की मांग को लेकर प्रदर्शन

गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों और मोहल्लेवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे प्रेमाबाग कॉलोनी के सैकड़ों महिला-पुरुष सिटी कोतवाली पहुंचे और बच्ची के शव को लेकर थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान जोरदार नारेबाजी भी की गई। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि आरोपी पर गैर इरादतन हत्या की धारा लगाई जाए और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

एसडीओपी ने मौके पर पहुंचकर दिलाया भरोसा

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एसडीओपी राजेश साहू मौके पर पहुंचे और मृतका के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने स्वयं जमीन पर बैठकर परिजनों से बातचीत की और एफआईआर में दर्ज धाराओं की जानकारी दी। एसडीओपी ने आश्वासन दिया कि मामले में निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके बाद परिजन बच्ची के शव को लेकर थाना गेट के सामने डटे रहे हैं और इंसाफ की मांग कर रहे हैं। पूरे क्षेत्र में घटना को लेकर शोक और आक्रोश का माहौल है।

परिजनों को एसडीओपी साहब अपने ही प्रभारी के दर्ज किए गए एफआईआर से संतुष्ट करने का प्रयास करते नजर आए, आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने का प्रयास नहीं किया?

अपनी मृत बच्ची का शव सिटी कोतवाली के सामने रखकर मृतक बच्ची के परिजन धरना प्रदर्शन करते रहे वहीं वहां एसडीओ पुलिस बैकुंठपुर पहुंचे और वह मृत बच्ची के परिजनों को अपने ही सिटी कोतवाली प्रभारी के द्वारा दर्ज एफआईआर से संतुष्ट करते नजर आए और वह उन्हें जमीन पर बैठकर समझाते नजर आए ,एसडीओ पुलिस साहब केवल मौखिक रूप से परिजनों को संतुष्ट करते नजर आए वह यह प्रयास करते बिल्कुल नजर नहीं आए कि वह परिजनों को आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर संतुष्ट कर सकें। कुल मिलाकर एसडीओ पुलिस साहब केवल यही प्रयास करते रहे कि परिजन शव लेकर मृत बच्ची का सिटी कोतवाली से चले जाएं।

रात्रि गश्त कर रहे पुलिस जवानों की मुस्तैदी से पकड़ा गया बैंक में चोरी करने घुसा आरोपी

डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने मुस्तैदी से रात्रि गश्त करने वाले जवानों को किया पुरस्कृत

-संवाददाता-
सूरजपुर, 18 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अपराधों की रोकथाम, बैंकों व एटीम की सुरक्षा एवं चेकिंग के लिए प्रभावी व मुस्तैदी से रात्रि गश्त करने के निर्देश पुलिस अधिकारी व जवानों को दिए है जिसका वे खुद लगातार मानिटरिंग करते है। जिले की पुलिस के जवानों की चुस्त रात्रि गश्त के कारण बैंक में चोरी करने घुसे आरोपी को गश्त जवान की मुस्तैदी से समय रहते धरदबोचा गया और एक बड़ी घटना होने से टल गई। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने मुस्तैदी से रात्रि गश्त करने एवं एक बड़ी वारदात को अंजाम देने से पहले ही आरोपी को पकड़ने पर रात्रि गश्त जवानों तथा नाईट आफिसर को नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया है।

दिनांक 17-18.04.2025 की दरम्यानी रात्रि में थाना झिलमिली में पदस्थ आरक्षक रामसुभग रवि व सैनिक अनिल विश्वकर्मा मुस्तैदी से रात्रि गश्त करते हुए बैंक एवं एटीएम को चेक कर रहे थे इसी क्रम में दोनों सेन्ट्रल बैंक शाखा झिलमिली पहुंचे और बैंक की सूक्ष्मता से मुआयना कर बैंक के पीछे पहुंचे जहां दोनों ने सेंधमारी देख इसकी जानकारी से नाईट आफिसर प्रधान आरक्षक सुखनंदन सिंह श्याम को अवगत करा मौके पर बुलाया। इस घटना की सूचना पाकर फौरन जोनल गश्त अधिकारी एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा,थाना प्रभारी झिलमिली नसीमुद्दीन दलबल के साथ बैंक पहुंचे। पुलिस टीम के द्वारा पूरे बैंक की घेराबंदी कर सेंधमारी कर बैंक में चोरी की नियत से घुसे एक व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ पर उस व्यक्ति ने अपना नाम दिपेश साहू पिता भैयालाल साहू उम्र 19 वर्ष ग्राम बड़सरा, थाना झिलमिली को होना बताया। मामले में आरोपी के विरूद्ध अपराध क्र. 69/2025 धारा 331(4),305(ई),62 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि सेन्ट्रल बैंक भैयाथान में चोरी करने का योजना बनाकर 17-18 अप्रैल की रात्रि में सब्बल, पेचकश, पलाश लेकर अपने मोटर सायकल से आया, मोटर सायकल को खड़ा कर बैंक के अहाता को पार कर बैंक के पीछे जाकर सब्बल से दिवाल में सेंध मारकर बैंक से पैसा चोरी के लिए घुसा था और पैसा खोज रहा था इसी बीच पुलिस ने पकड़ लिया। आरोपी के निशानदेही पर सब्बल, पेचकश,पलाश व मोटर सायकल जप्तकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

ठेकेदार ने एसईसीएल अधिकारी को जूते से पीटा,वीडियो वायरल होने के बाद मचा हड़कंप

-संवाददाता-
सूरजपुर, 18 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के विश्रामपुर थाना क्षेत्र में एक ठेकेदार ने SECL अधिकारी की जूते से पिटाई कर दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। दरअसल, मारपीट करने वाले ठेकेदार की पहचान अशोक अग्रवाल के रूप में हुई है। अशोक अग्रवाल ने ऑफिस के अंदर SECL अधिकारी के साथ गाली गलौच की। इतना ही नहीं ठेकेदार का गुस्सा इतना बढ़ गया कि, उसने अधिकारी के साथ मारपीट कर और अधिकारी पर जूते बरसा दिए।

वायरल हो रहा वीडियो

इस घटना को वहां मौजूद शख्श ने कैमरे में कैद कर लिया और अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वायरल हो रहे वीडियो में ठेकेदार अधिकारी की पिटाई करते हुए शासन और सत्ता की धौंस दिखा रहा है। ठेकेदार अग्रवाल अधिकारी को कहता हुआ दिखाई दे रहा है कि,तू जनता नहीं है मेरे को, मैं क्या चीज हूं तुम्हे पता नहीं है। इतना ही ठेकेदार ने अधिकारी को जमकर गालियां भी दी और देख लेने की धमकी दी है। अब इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

संक्षिप्त खेल खबर

बॉयज बास्केटबॉल टीम ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के क्वॉर्टर फाइनल में बनाई जगह

हैदराबाद,18 अप्रैल 2025। तेलंगाना अंडर-16 बॉयज बास्केटबॉल टीम ने 9 से 16 अप्रैल तक पुडुचेरी में आयोजित 40 वीं राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है। बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) द्वारा पुडुचेरी बास्केटबॉल एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस चैंपियनशिप में 29 राज्यों की शीर्ष टीमें शामिल हुईं और तेलंगाना के लड़कों ने अपने जुनून, प्रदर्शन और दृढ़ता से एक शक्तिशाली प्रभाव डाला। टीम ने असाधारण कौशल, दृढ़ संकल्प और खेल भावना का प्रदर्शन किया और दिल्ली, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे मजबूत दावेदारों को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।कीस्टोन बास्केटबॉल अकादमी साल दर साल चैंपियन तैयार करती रहती है। कोचिंग टीम - संतोष, पंकज और अमृत - की विशेष सराहना की जाती है, जिनके नेतृत्व और समर्पण ने लड़कों को सफलता की ओर अग्रसर किया।

हार्दिक पांड्या कभी हार नहीं मानते

मुंबई,18 अप्रैल 2025। भारत के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने कहा कि उन्हें मुंबई इंडियंस (एमआई) के कप्तान हार्दिक पांड्या की सबसे अच्छी बात यह लगती है कि वह कभी हार नहीं मानते और हर मौके पर टीम की अगुवाई आगे बढ़कर करते हैं।

पिछले हफ्ते तक एमआई की स्थिति बहुत खराब थी, लेकिन हार्दिक पांड्या की कप्तानी में टीम ने लगातार दो मैच जीत लिए। पहले दिल्ली कैपिटल्स को हराया, फिर सनराइजर्स हैदराबाद को मात दी। हार्दिक खुद अब आईपीएल 2025 में 6 मैचों में 11 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं, उनके साथ कुलदीप यादव, खलील अहमद और शार्दुल ठाकुर भी हैं। जडेजा ने जियोहॉटस्टार पर कहा, हार्दिक पंड्या एक अलग ही शख्सियत हैं। चाहे बल्लेबाज़ी हो, गेंदबाजी हो, फील्डिंग हो या मैदान के बाहर का माहौल, वह हर जगह टीम का नेतृत्व करते हैं और हमेशा मुस्कुराते रहते हैं। हार मानना उन्हें आता ही नहीं। पिछले साल उनका प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं था, लेकिन इस साल उन्होंने शुरुआत में अच्छे नतीजे न मिलने के बावजूद अपना आत्मविश्वास नहीं खोया।

सनसनीखेज सौरव कोठारी ने आई बी एस एफ विश्व बिलियर्ड्स का जीता खिताब

मुंबई,18 अप्रैल 2025। भारत के सौरव कोठारी ने आयरलैंड के कार्लो में एक कड़े मुकाबले में हमवतन और मौजूदा चैंपियन पंकज आडवाणी को 725-480 से हराकर 2025 बीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स खिताब (जिसे पहले विश्व एमेच्योर बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप के नाम से जाना जाता था) अपने नाम कर लिया। इस तरह कोठारी बीएसएफ और डब्ल्यूबीएल विश्व बिलियर्ड्स,पेशेवर खिताब जीतने वाले केवल तीसरे भारतीय बन गए।

रूपेश शाह और पंकज आडवाणी पहले यह उपलब्धि हासिल करने वाले अन्य भारतीय हैं।

स्नूकर और बिलियर्ड्स आयरलैंड (एसबीआई) अकादमी में एक रोमांचक फाइनल में, क्यू स्पोर्ट्स की दुनिया ने भारत के दो बेहतरीन खिलाड़ियों - कोठारी और आडवाणी - के बीच एक अविस्मरणीय मुकाबला देखा, क्योंकि वे प्रतिष्ठित 2025 आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स खिताब के लिए लड़े। चैंपियनशिप मैच में पेशेवर बिलियर्ड्स और स्नूकर के प्रशंसकों की उम्मीदों के मुताबिक सब कुछ देखने को मिला-ड्रामा, सटीकता, जुनून और दमदार स्कोरिंग। कोठारी ने 725 अंक हासिल करते हुए शानदार जीत के साथ बीएसएफ विश्व चैंपियन का खिताब जीता, जबकि आडवाणी ने 480 अंक बनाए। 325 का उनका शानदार ब्रेक मैच का सबसे खास पल था और हाल के चैंपियनशिप इतिहास में सबसे बेहतरीन ब्रेक में से एक था। कोठारी ने 119 और 112 के ब्रेक भी लगाए, जिसमें उन्होंने असाधारण संयम, फोकस और क्यू कंट्रोल का प्रदर्शन किया।

यह जीत कोठारी के लिए बीएसएफ विश्व खिताब (समयबद्ध प्रारूप) में पहली ऐतिहासिक जीत है-35 साल पहले उनके पिता और बिलियर्ड्स के दिग्गज मनोज कोठारी ने 1990 में बेंगलुरु में यह खिताब जीता था। कोठारी की जीत उनके परिवार की विरासत का गौरवपूर्ण विस्तार है और उनके शानदार करियर का एक शानदार पल है, जिसने अंतरराष्ट्रीय क्यू स्पोर्ट्स सर्किट में उनकी प्रतिष्ठा को मजबूत किया है। आडवाणी ने 129, 116 और 112 के प्रभावशाली ब्रेक के साथ शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, मैच के पहले आधे घंटे में उनके प्रतिद्वंद्वी द्वारा 325 का विशाल ब्रेक लगाया गया, जिसके बाद आडवाणी लगातार पीछे चल रहे थे। तीन घंटे के फाइनल के अंतिम घंटे में, नाटक और भी तीव्र हो गया, क्योंकि आडवाणी ने बढ़त को 50 अंकों से भी कम कर दिया।

लेकिन कोठारी ने मुश्किल परिस्थितियों में भी बेजोड़ संयम का परिचय देते हुए, अपने धैर्य को बनाए रखा और अपने स्कोर-बोर्ड को आगे बढ़ाते हुए अंततः 200 अंकों की बढ़त हासिल कर ली, जबकि आडवाणी के लिए घड़ी में पर्याप्त समय नहीं बचा था। विश्व खिताब की ओर बढ़ते हुए कोठारी के अभियान का एक मुख्य आकर्षण सेमीफाइनल में कई बार के विश्व चैंपियन और विश्व बिलियर्ड्स सर्किट के सबसे उग्र खिलाड़ियों में से एक, इंग्लैंड के डेविड कॉजियर के खिलाफ उनकी जीत थी, जो स्कोर करने और अपने विरोधियों को महज दर्शक बनाने की अपनी तूफानी शैली के लिए जाने जाते हैं। कॉसियर जैसे प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उनके असाधारण प्रदर्शन - 299 और 263 के ब्रेक हासिल करके मध्य सत्र अंतराल पर लगभग 600 अंकों की बढ़त हासिल करना-को अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में बिलियर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक माना गया। भले ही कॉसियर ने 326 अंकों का शानदार ब्रेक लगाया, लेकिन ढाई घंटे के मैच के पहले हाफ में कोठारी के प्रयासों ने अंततः उन्हें 864-547 अंकों से जीत दिलाई। इस साल के आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स में क्षेत्र कई वर्षों में सबसे मजबूत था जिसमें सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन पीटर गिलक्रिस्ट और इंग्लैंड के रॉब हॉल, डेविड कॉसियर, पीटर शीहान जैसे सभी शीर्ष खिलाड़ी शामिल थे, जिनके साथ विश्व बिलियर्ड्स में अंतिम मुकाबले के लिए भारत, आयरलैंड, स्कॉटलैंड के शीर्ष रैंक वाले खिलाड़ी भी शामिल हुए।

गुजरात जाईट्ंस और दिल्ली कैपिटल मैच आज

अहमदाबाद,18 अप्रैल 2025।

आईपीएल 2025 के 35 वें लीग मुकाबले में गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीम के बीच भिड़ंत देखने को मिलेगी। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। गुजरात टाइटंस की टीम ने जहां शुभमन गिल की कप्तानी में खेलते हुए अब तक इस सीजन शानदार प्रदर्शन किया है और उन्होंने 6 मैचों में से चार को जीता है, वहीं दूसरी तरफ अक्षर पटेल की कप्तानी में खेल रही दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने 6 में से 5 मैचों को जीता है और प्वाइंट्स टेबल में पहले नंबर पर काबिज है।

चार बल्लेबाज और तीन गेंदबाजों को दें अपनी टीम में जगह

गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाले इस मुकाबले की संभावित प्लेयिंग 11 टीम को लेकर बात की जाए तो उसमें आप 2 विकेटकीपर को चुन सकते हैं, जिसमें जोस बटलर और केएल राहुल का नाम शामिल है, दोनों का प्रदर्शन अब तक बल्ले से शानदार देखने को मिला है। वहीं प्रमुख बल्लेबाजों में आप चार प्लेयर चुन सकते हैं, इसमें साईं सुदर्शन, शुभमन गिल, फाफ डु प्लेसिस और जैक फ्रेजर मैकगर्क का नाम शामिल है। ऑलराउंडर प्लेयर्स में आप अक्षर पटेल और विपराज निगम को अपनी इस ड्रीम11 टीम में चुन सकते हैं। प्रमुख गेंदबाजों में आप मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा शामिल कर सकते हैं। अपनी इस टीम में आप कप्तान शुभमन गिल को बना सकते हैं वहीं उपकप्तानी के लिए आप केएल राहुल को चुन सकते हैं।

जीटी व्ही डीसी मैच की संभावित प्लेयिंग 11 टीम

जोस बटलर,केएल राहुल (कप्तान), साईं सुदर्शन,शुभमन गिल (कप्तान), फाफ डु प्लेसिस, जैक फ्रेजर मैकगर्क, अक्षर पटेल, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

हेड टू हेड में दिल्ली का पलड़ा भारी

दोनों टीमों के बीच आईपीएल में हेड टू हेड के रिकॉर्ड को लेकर बात की जाए तो उसमें दिल्ली कैपिटल्स टीम का पलड़ा थोड़ा भारी दिखाई देता है, जिसमें गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच अब तक 5 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से गुजरात की टीम को जहां सिर्फ 2 मैचों में जीत हासिल हुई है तो वहीं दिल्ली की टीम ने 3 मुकाबलों को अपने नाम किया है।

स्क्वैश खिलाड़ी तन्वी खन्ना ने वरीयता प्राप्त एन चिंग चेंग को हराया

कुआलालंपुर,18अप्रैल 2025। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी तन्वी खन्ना ने गुरुवार को यहां विश्व चैम्पियनशिप क्वालीफाइंग इवेंट (एशिया) के शुरुआती दौर में हांगकांग की शीर्ष वरीयता प्राप्त एन चिंग चेंग को हराकर बड़ा उलट फेर किया।दुनिया में 134वें स्थान पर काबिज तन्वी ने 76वें स्थान पर काबिज हांगकांग की खिलाड़ी को 3-1 (11-7 11-8 8-11 12-10) से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब वह अंतिम आठ में हांगकांग की हेलेन टैंग (विश्व रैंक 97) से भिड़ेंगी। शुरुआती दौर के एक अन्य मैच में भारत की अग्रणी खिलाड़ी अनाहत सिंह (नंबर 63) ने फिलीपींस की निचली रैंक वाली जेमिका एरिबाडो (नंबर 126) को 3-0 (11-4 11-5 11-7) से आसानी से हरा दिया। अनाहत क्वार्टर फाइनल में जापानी प्रतिद्वंद्वी अकारी मिडोरिकावा से भिड़ेंगी। दूसरी वरीयता प्राप्त आकांक्षा सालुंखे (नंबर 70) ने जापान की निचली रैंक वाली रीसा

सुगिमोटो को 3-0 (11-4 11-3 11-8) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका मुकाबला सिंगापुर की छठी वरीयता प्राप्त वाई यहन औ यियोंग से होगा। पुरुषों की प्रतियोगिता में, विश्व में 63वें स्थान पर काबिज वीर चोटरानी ने निचली रैंक वाले मलेशियाई प्रतिद्वंद्वी ओंग साई हंग को 3-0 (11-7 11-8 14-12) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अंतिम आठ में उनका सामना एक अन्य मलेशियाई खिलाड़ी मोहम्मद सयाफिक कमाल से होगा।

वंदना कटारिया ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहते हुए पीएम मोदी की प्रशंसा प्राप्त की

नई दिल्ली,18 अप्रैल 2025। पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी वंदना कटारिया, जिन्होंने हाल ही में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहा, ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक भावपूर्ण पत्र प्राप्त करने के बाद उनका आभार व्यक्त किया, जिसमें टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने वाले उनके शानदार करियर की सराहना की गई थी।

एक्स पर एक पोस्ट में, वंदना ने लिखा, मेरे लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मेरे हॉकी करियर और सेवानिवृत्ति पर प्रशंसा पत्र प्राप्त करना गर्व का क्षण है। मैं यह सम्मान पाकर अभिभूत हूं। यह स्नेह और प्रोत्साहन हमेशा मेरे लिए प्रेरणा रहेगा। धन्यवाद प्रधानमंत्री। अपने पत्र में,प्रधान मंत्री मोदी ने वंदना को मील के पत्थर से भरे करियर के लिए बधाई दी और वैश्विक मंच पर भारतीय महिला हॉकी को ऊपर उठाने के लिए उनकी सराहना की।

उन्होंने लिखा,भारतीय महिला हॉकी टीम की एक बेहतरीन खिलाड़ी के रूप में उपलब्धियों से भरे शानदार करियर के लिए आपको बधाई और जीवन की नई पारी के लिए शुभकामनाएं। आपने अपने खेल के माध्यम से देशवासियों को गौरव के कई अवसर प्रदान करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय ध्वज को ऊंचा रखने में बहुत बड़ा योगदान दिया है।

एशियाई अंडर-15-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए 56 सदस्यीय युवा दल भेजा

नई दिल्ली,18 अप्रैल 2025। भारत ने जॉर्डन के अम्मान में आयोजित होने वाली एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए 56 सदस्यीय युवा मुक्केबाजी दल - 30 अंडर-15 और 26 अंडर-17 मुक्केबाज - को मैदान में उतारा है। एशियाई मुक्केबाजी द्वारा आयोजित यह पहला आयोजन है, जिसे एशियाई ओलंपिक परिषद और नवगठित विश्व मुक्केबाजी दोनों ने समर्थन दिया है। कोचिंग स्टाफ और अधिकारियों के साथ टीम 17 अप्रैल को अम्मान पहुंची, जहां 18 अप्रैल को ड्रॉ के बाद 19 अप्रैल से प्रारंभिक मुकाबले शुरू होंगे। अंडर-17 लड़कों की टीम में साहिल दुहान और देवांश शामिल हैं, जिन्होंने 2024 एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता, साथ ही टीकम सिंह, 2024 स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के स्वर्ण पदक विजेता हैं। लड़कियों की ओर से, समीक्षा सिंह, अंशिका और खुशी चंद यूएई के अल ऐन में 2024 एशियाई स्कूल बॉयज एंड गर्ल्स बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पदक विजेताओं में शामिल थीं। अंडर-15 लाइनअप में 2024 में अल ऐन में एशियाई स्कूल बॉयज चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता रवि सिहाग के साथ-साथ 2024 सब-जूनियर राष्ट्रीय गर्ल्स बॉक्सिंग चैंपियन (64-67 किग्रा) तृष्णा मोहिते शामिल हैं। ये युवा एथलीट भारतीय मुक्केबाजी के उज्ज्वल भविष्य को दर्शाते हैं, खासकर तब जब देश 2036 ओलंपिक की मेजबानी की उम्मीद कर रहा है।

भारत में होने वाले आईसीसी टूर्नामेंट के लिए 7 टीमों ने किया क्वॉलीफाई

सिर्फ एक स्थान बाकी; इन 3 मैचों से होगा तय

नई दिल्ली ,18 अप्रैल 2025। महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन भारत की धरती पर होने जा रहा है। इसमें कुल 8 टीमों को हिस्सा लेना है। भारतीय महिला टीम ने इसमें मेजबान होने के नाते क्वालीफाई किया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका की महिला टीमें भी वनडे वर्ल्ड कप 2025 के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। फिर दो स्थान बचे हुए थे, जिसके लिए आईसीसी ने महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर का आयोजन किया। क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर में कुल 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें से दो ही भारत में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर में हिस्सा ले रही टीमें...

पाकिस्तान,बांग्लादेश, स्कॉटलैंड,वेस्टइंडीज,आयरलैंड,थाईलैंड पाकिस्तानी टीम कर चुकी है क्वॉलीफाई

इन 6 टीमों से उन दो को ही जगह मिलेगी, जो महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर की प्वाइंट्स टेबल में टॉप-2 में होंगी। खास बात ये है कि पाकिस्तान टीम इस समय पर टॉप है और उसके 8 अंक हैं उसने भारत में होने वाले महिला वनडे वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इस तरह से 7 टीमें अब तक क्वालीफाई कर चुकी हैं और सिर्फ एक स्थान ही खाली है, जिसके लिए तीन टीमें बांग्लादेश, स्कॉटलैंड और वेस्टइंडीज की महिला टीमें रेस में शामिल हैं।

बांग्लादेश की टीम के पास है सुनहरा चांस

महिला वर्ल्ड कप 2025 के लिए क्वालीफाई करने के लिए तीनों टीमों में से सबसे ज्यादा चांस बांग्लादेश महिला टीम के हैं, क्योंकि इस समय वह प्वाइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। उसने अभी तक कुल चार मुकाबले खेले हैं, जिसमें से तीन में जीत दर्ज की है और एक मैच हारा है। प्लस 1.033 नेट रन रेट के साथ उसके 6 अंक हैं। अब 19 अप्रैल को बांग्लादेशी टीम का सामना पाकिस्तानी महिला टीम से होगा। अगर वह इसमें जीत हासिल कर लेती है, तो आराम से महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के लिए क्वालीफाई कर लेगी।

वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड के पास महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में खेलने का मौका

दूसरी तरफ स्कॉटलैंड महिला टीम और वेस्टइंडीज की टीमें भी क्वालीफाई करने की रेस में शामिल हैं। दोनों टीमों के इस समय चार-चार अंक हैं। लेकिन रेट रन नेट के मामले में स्कॉटलैंड की टीम (0.136 नेट रन रेट) वेस्टइंडीज (0.283 नेट रन रेट) से आगे है। इसी वजह से स्कॉटलैंड प्वाइंट्स टेबल में तीसरे और वेस्टइंडीज चौथे नंबर पर काबिज है।

अब वेस्टइंडीज को 19 अप्रैल को थाईलैंड के खिलाफ मुकाबला खेलना है। इसी तारीख को बांग्लादेश का मुकाबला पाकिस्तान से होना है। वहीं स्कॉटलैंड की टीम 18 अप्रैल को आयरलैंड के खिलाफ मैच खेलेगी। इन तीनों मैचों के बाद तय होगा कि महिला वनडे वर्ल्ड कप के लिए कौन टीम क्वालीफाई करेगी।

महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के लिए अब तक क्वालीफाई करने वाली टीमें-

भारत,ऑस्ट्रेलिया,इंग्लैंड,न्यूजीलैंड,साउथ अफ्रीका,श्रीलंका और पाकिस्तान

जैकलीन फर्नांडीज की है जुनून की घोषणा

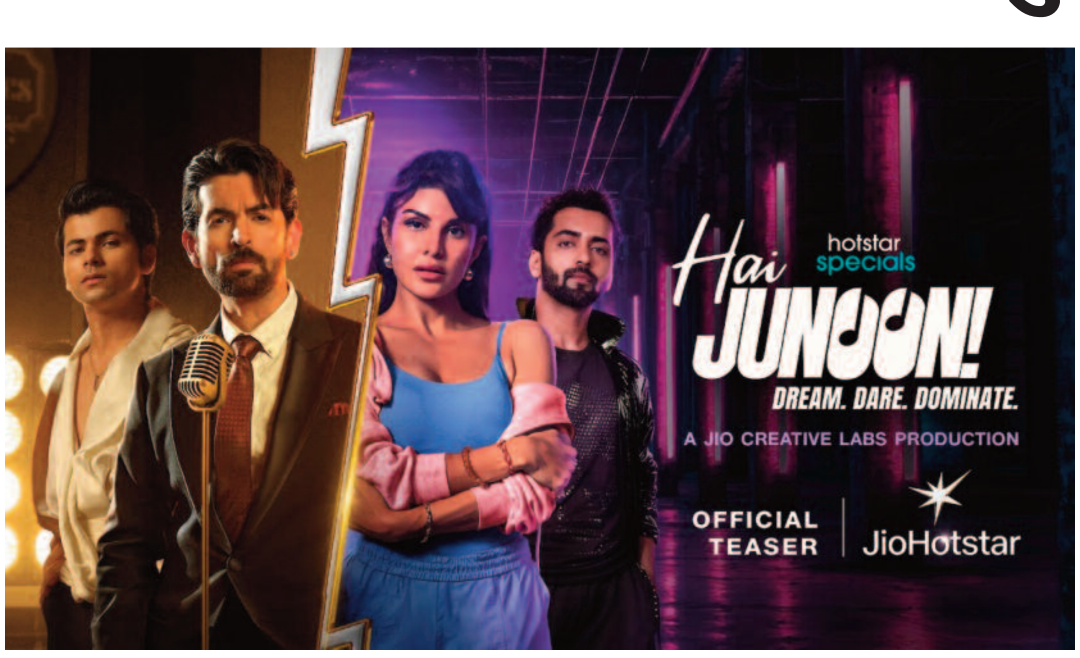

अभिनेता नील नितिन मुकेश और जैकलीन फर्नांडीज एक संगीत नाटक है जुनून-ड्रीम,डेयर,डोमिनेट के साथ आने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं के अनुसार, यह शो मुंबई के प्रतिष्ठित एंडरसन कॉलेज के दिल में स्थापित एक आने वाली उम्र का संगीत नाटक है। महत्वाकांक्षा, प्रतिस्पर्धा और आत्म-खोज की कहानी, श्रृंखला संगीत और नृत्य की दुनिया में गोता लगाती है, जहाँ कच्चा जुनून कुलीन प्रतिभा से मिलता है। भारत के सबसे प्रतिष्ठित कॉलेज संगीत क्लबों में से एक की पृष्ठभूमि के खिलाफ, कहानी तब सामने आती है जब छात्र अपनी रचनात्मकता की सीमाओं को पार करते हैं ताकि यह साबित हो सके कि सफलता केवल प्रतिभा के बारे में नहीं है-यह भीतर की आग के बारे में है, एक आधिकारिक सारांश में कहा गया है। अभिषेक शर्मा द्वारा निर्देशित है जुनून- ड्रीम, डेयर, डोमिनेट में जैकलीन फर्नांडीज ने पर्ल और नील नितिन मुकेश ने गगन की भूमिका निभाई है, उनके साथ सुमेध मुदगलकर, सिद्धार्थ निगम, युक्ति थरेजा,आर्यन कटोच, प्रियांक शर्मा,कुंवर अमर,मोहन पांडे,एलीशा मेयर,संचित कुंद्रा, सनातन रोच,देवांग्शी सेन,अनुषा मणि,भाविन भानुशाली,अर्नव मागू और युक्ति थरेजा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सुपरसोनिक्स के मेंटर गगन आहूजा की भूमिका निभाने वाले नील ने एक प्रेस नोट में कहा, गगन आहूजा का किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों था। गगन एक गहन और अनुशासित संगीत किंवदंती हैं जो सुपरसोनिक्स की विरासत को अपने दिल के करीब रखते हैं। उन्होंने आगे कहा, ÷वास्तव में, यह आत्म-खोज और अपने सच्चे उद्देश्य को खोजने की यात्रा है। संगीत की विरासत वाले व्यक्ति के रूप में,संगीत मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है। कलाकारों की ऊर्जा और प्रतिभा ने इस प्रोजेक्ट को वास्तव में अविस्मरणीय बना दिया। मुझे उम्मीद है कि दर्शक शो के लिए हमारे उत्साह और जोश को साझा करेंगे।

महत्वपूर्ण खबर

दूसरे राज्यों के डॉक्टरों का मेडिकल कॉउन्सिल में बिना पंजीयन प्रैक्टिस पर प्रतिबंध

रायपुर,18अप्रैल 2025(ए)। दूसरे राज्यों के डॉक्टरों का छत्तीसगढ़ और रायपुर में बिना पंजीयन चिकित्सकीय कार्य किए जाने को लेकर सीएमएचओ ने कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। सीएमएचओ रायपुर मोठिलेश चौधरी ने रजिस्ट्रार, छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान परिषद के पत्र के प्रकाश में ऐसे डॉक्टरों के पंजीयन की जानकारी अस्पताल संचालकों से मांगी है।

नक्सली दंपति समेत 22 नक्सलियों ने किया सरेंडर

सभी पर था 40 लाख का इनाम

सुकमा,18अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सल विरोधी मुहिम को बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षा बलों की लगातार दबिश और प्रभावी रणनीति के चलते 22 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वालों में एक नक्सली दंपति भी शामिल है, जिन पर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। कुल मिलाकर इन 22 नक्सलियों पर 40 लाख रुपए का इनाम था।

डोंगमहुआ खदान में विस्फोट से एक मजदूर की मौत,दो गंभीर रूप से घायल

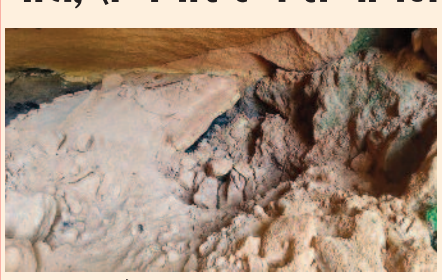

रायगढ़,18अप्रैल 2025(ए)। रायगढ़ जिले के तमनार ब्लॉक में जिंदल पावर लिमिटेड की डोंगमहुआ कोल माइंस में शुक्रवार को एक भीषण विस्फोट ने खनन क्षेत्र में सनसनी मचा दी। गारे पेलमा कोल माइंस में कोयला खनन के दौरान हुए इस हादसे में एक मजदूर आयुष बिश्नोई की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूर, चंद्रपाल राठिया और अरुण लाल निषाद, गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत ओ.पी. फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

रायपुर में पहली बार विदेशी गांजा जब्त

आरोपी गिरफ्तार, मुंबई के रास्ते पहुंचा छत्तीसगढ़

रायपुर,18अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में अब तस्करी के जरिए विदेशी गांजा भी पहुंचने लगा है। रायपुर की टिकरापारा थाना पुलिस ने विदेशी गांजा की बड़ी खेप के साथ गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक भाठागांव बस स्टैंड के पास एक व्यक्ति को 15.25 ग्राम विदेशी गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पास से कीमती मोबाइल बरामद हुआ है।

सीबीआई के हाथ लगे महत्वपूर्ण दस्तावेज

रायपुर,18अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में पीएससी घोटाले में सीबीआई की जांच जारी है. गुरुवार को केंद्रीय जांच एजेंसी ने रायपुर और महासमुंद में 5 ठिकानों पर छापेमारी की,जिसमें बताया गया कि कई अहम दस्तावेज मिल हैं। छापेमारी कार्रवाई में हुए खुलासे ने प्रदेश की राजनीति में उबाल ला दिया है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग घोटाले की जांच में बड़ी कार्रवाई करते हुए रायपुर और महासमुंद में एक साथ पांच ठिकानों पर छापेमारी की। इस छापेमारी में कई अहम दस्तावेज और तकनीकी साक्ष्य जब्त किए गए हैं। सीबीआई ने रायपुर के फूल चौक स्थित एक निजी होटल,सिविल लाइन इलाके के एक कोचिंग सेंटर और महासमुंद में एक सरकारी डॉक्टर के आवास पर दबिश दी. इसके अलावा महासमुंद में अभ्यारण्य गेस्ट हाउस और एक अन्य स्थानों पर भी कार्रवाई की गई है। 2019 से 2022 तक की भर्ती में कुछ अभ्यर्थियों के चयन को लेकर विवाद है। ईओडब्ल्यू और अर्जुंदा पुलिस ने भ्रष्टाचार-अनियमितता के आरोप में मामला दर्ज किया है। सीजीपीएससी ने 2020 में 175 पदों पर और 2021 में 171 पदों पर परीक्षा ली थी। प्री-एग्जाम 13 फरवरी 2022 को कराया गया। इसमें 2 हजार 565 पास हुए थे. इसके बाद 26, 27, 28 और 29 मई 2022 को हुई मेंस परीक्षा में 509 अभ्यर्थी पास हुए. इंटरव्यू के बाद 11 मई 2023 को 170 अभ्यर्थियों की सिलेक्शन लिस्ट जारी हुई।

सीबीआई कार्रवाई पर मंत्री ओपी चौधरी का बड़ा बयान

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सीबीआई की कार्रवाई के बाद बड़ा बयान दिया है। वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने पीएससी घोटाले में सीबीआई की छापेमारी के बाद कहा कि किसी मां-बाप ने खेत बेचकर फीस भरी थी, किसी ने सपनों में अफसर बनकर घर संवारा था. लेकिन दलालों और भ्रष्टाचारियों ने सब कुछ लूट लिया(सीजीपीएससी घोटाले की जांच में हर दिन माफियाराज के नए चेहरे बेनकाब हो रहे हैं। हमारा संकल्प है घोटाले के हर दोषी को सजा और हर युवा को न्याय दिलाना।

पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा के घर सीबीआई का छापा

देवेन्द्रनगर स्थित आवास पर मौजूद है सीबीआई की टीम

राजधानी रायपुर में पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा के घर शुक्रवार सुबह सीबीआई की टीम ने दबिश दी है। सूत्रों के मुताबिक यह कार्रवाई नान घोटाला,महादेव ऐप,कोयला तथा आबकारी घोटालों से जुड़े मामलों में की जा रही है। हालांकि अभी तक किसी भी स्तर पर इस कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। शराब घोटाले मामले में दो दिन पहले ही सुको से जमानत मिली है। पूर्व आईएएस अनिल टूटेजा के देवेन्द्रनगर स्थित आवास पर सीबीआई की टीम पहुंची है। बता दें टूटेजा एक साल से भी अधिक समय हो गए जेल में बंद हैं।

योजनाओं के संचालन में मिली गंभीर अनियमितताएं

मंत्री की नाराजगी के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग के अफसर हुए निलंबित,

रायपुर,18 अप्रैल 2025(ए)। महिला एवं बाल विकास विभाग ने बालोद के जिला कार्यक्रम अधिकारी किशन टंडन क्रांति को कर्तव्यों में घोर लापरवाही और विभागीय योजनाओं के संचालन में गंभीर अनियमितता के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस आशय का आदेश विभाग ने जारी कर दिया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने विगत 15 अप्रैल को बालोद दौरे के दौरान शासकीय योजनाओं एवं आमजनों की सुविधा को देखते हुए विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया था, जिसमें कई खामियां उजागर हुईं। मंत्री के निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी टंडन जिला मुख्यालय से अनुपस्थित पाए गए,जबकि यह अपेक्षित था

कि वह स्वयं मंत्री के दौरे के समय उपस्थित रहकर कार्यक्रमों की प्रगति प्रस्तुत करें।

कामकाज में मिलीं कई खामियां

निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र पाररास (इंदिरा गांधी वार्ड क्रमांक 18/1) में फर्जी उपस्थिति दर्ज, पोषण ट्रैकर ऐप में अधूरी प्रविष्टियां, सखी वन स्टॉप सेंटर की निष्क्रियता और करकाभांठ केंद्र में गंदगी जैसे कई गंभीर मुद्दे सामने आए। साथ ही, विभागीय बैठकों में नियमित अनुपस्थिति का आरोप भी टंडन पर है। इन सभी खामियों को गंभीर मानते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने समीक्षा बैठक में नाराज़गी जताते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। नतीजतन, किशन टंडन को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियमों के तहत निलंबित कर, निलंबन अवधि में महिला एवं बाल विकास विभाग, बिलासपुर में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्हें इस दौरान जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा। बता दें कि महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी किशन टंडन क्रांति अपने इसी रवैये के चलते इससे पहले भी कई बार निलंबित हो चुके हैं। इससे पूर्व उन्हें विधानसभा के सत्र के दौरान छुट्टी पर चले जाने के चलते निलंबित किया जा चुका है। इससे पहले भी उनके ऊपर इसी तरह की कार्यवाही हो चुकी है। मंत्री के जिले में दौरे के समय भी विभाग के प्रमुख का नदारद रहना वाकई में गंभीर लापरवाही माना जा रहा है। यही वजह है कि किशन टंडन क्रांति को निलंबित कर दिया गया और इसी अवधि में उनका तबादला भी कर दिया गया।

यूथ कांग्रेस ने ईडी के दफ्तर का बदला नाम

मंत्रोच्चार और बाजे-गाजे के साथ किया नामकरण

रायपुर,18 अप्रैल 2025(ए)। नेशनल हेराल्ड और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दाखिल चार्जशीट में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नाम शामिल किए जाने को लेकर विरोध तेज हो गया है। इसी कड़ी में राजधानी रायपुर में यूथ कांग्रेस ने अनोखा प्रदर्शन किया। यहां यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता बाकायदा ढोल-ताशे के साथ पंडित लेकर ई डी दफ्तर पहुंचे और मंत्रोच्चार के साथ नामकरण संस्कार किया। इस दौरान उन्होंने ईडी दफ्तर का नाम बदलकर 'भारतीय जनता पार्टी प्रवर्तन कार्यालय' रख दिया।

प्रदर्शन के साथ किया नामकरण संस्कार

राजधानी के सुभाष स्टेडियम के परिसर में बने ईडी के दफ्तर के बाहर दोपहर के वक्त यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता जुटे। यहां पंडितों की मौजूदगी में मंत्रोच्चार हुआ। विधिवत पूजा-पाठ के बाद कार्यकर्ताओं ने वहां लगे ईडी बोर्ड पर काली पट्टी चिपकाई और 'भारतीय जनता पार्टी प्रवर्तन कार्यालय' का नया बोर्ड लगा दिया। ढोल-नगाड़ों के बीच कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और कहा कि ईडी अब बीजेपी की एजेंसी बन चुकी है, इसलिए इसका नाम बदलना जरूरी था।

पूजा विधानी सहित 6 प्रत्याशियों को नोटिस जारी

अगली सुनवाई 5 मई को

बिलासपुर,18 अप्रैल 2025(ए)। नगर निगम बिलासपुर के महापौर चुनाव को हाईकोर्ट के बाद जिला कोर्ट में भी एक याचिका दायर की गई है। पूर्व मेयर प्रत्याशी प्रमोद नायक की याचिका पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सिराजुद्दीन कुरैशी की अदालत ने मौजूदा मेयर पूजा विधानी,कलेक्टर,निर्वाचन पर्यवेक्षक,एडिशनल कलेक्टर, चुनाव आयोग तथा अन्य 6 मेयर पद के प्रत्याशियों को नोटिस जारी किया है। मामले में अगली सुनवाई 5 मई को तय की गई है।

रेलवे की विरासत का जीवंत प्रतीक

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में स्थापित नैरोगेज स्टीम इंजन

बिलासपुर,18 अप्रैल 2025(ए)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपने समृद्ध अतीत और शानदार विरासत को सहेजने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसी श्रृंखला में बिलासपुर मुख्यालय परिसर में स्थापित किया गया 114 वर्ष पुराना नैरोगेज स्टीम इंजन आज भी एक ऐतिहासिक प्रतीक के रूप में गौरव का विषय है । यह इंजन न केवल रेलवे के सुनहरे इतिहास की याद दिलाता है, बल्कि आगंतुकों को उस युग से रूबरू कराता है जब भाप से चलने वाले इंजन देश की प्रगति का आधार थे।यह इंजन नॉर्थ ब्रिटिश कंपनी, ग्लासगो (इंग्लैंड) द्वारा निर्मित किया गया था, जो उस समय विश्व की अग्रणी लोकोमोटिव कंपनियों में से एक थी ।

एक महीने से चल रही पंचायत सचिवों की हड़ताल खत्म

उपमुख्यमंत्री से बातचीत के बाद फैसला

रायपुर,18 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में एक महीने से अधिक समय से चल रही पंचायत सचिवों की हड़ताल अब समाप्त हो गई है। शासकीयकरण की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे पंचायत सचिवों को पंचायत मंत्री विजय शर्मा से सकारात्मक आश्वासन मिला, जिसके बाद सचिवों ने आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया। पिछले एक महीने से सचिव वर्ग शासकीयकरण की मांग को लेकर प्रदर्शनरत था, जिससे प्रदेश के ग्रामीण विकास कार्यों पर भी असर पड़ रहा था। पंचायत सचिव संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि पंचायत मंत्री विजय शर्मा से हुई बैठक में उन्हें मांगों पर विचार का भरोसा मिला, जिसके बाद आंदोलन को समाप्त करने का निर्णय लिया गया।

झोलाछाप डॉक्टर हुआ गिरफ्तार

गलत इलाज के चलते दो बच्चों की हो गई थी मौत

बिलासपुर,18 अप्रैल 2025(ए)। पुलिस ने बिलासपुर जिले के बेलगहना क्षेत्र से एक झोलाछाप डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। बीते 10 माह पूर्व उसके गलत इलाज की वजह से दो नाबालिग बच्चों की मौत हो गई थी।

शिकारियों के आतंक का शिकार हुआ बाघ

» **जाल में फंसा बाघ कई दिनों तक तड़पता रहा**

» **पैर सड़ गए,मुंह से खून बहता रहा,तब अफसरों ने देखा**

जगदलपुर,18 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के इंद्रवती टाइगर रिजर्व से दिल दहला देने वाली तस्वीर सामने आई है। एक बाघ कई दिनों तक शिकारियों के लगाए हुए फंदे में फँसा रहा। उसके पैर बुरी तरह से सड़ने की हालत में आ गए और टाइगर रिजर्व की नींद तब खुली जब बाघ मरणासन्न हो गया। ऐसा लगने लगा है कि जैसे छत्तीसगढ़ बाघों के लिए कब्रगाह बन चुका है। वन विभाग के अधिकारी इतनी गहरी नींद में सोते रहे कि उन्हें उस बाघ की चीख तक नहीं सुनाई दी। बाघ का शुरुआती इलाज कर उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर के जंगल सफारी भेजा गया है।

बाघों की दुर्दशा पर चुप्पी

ताज़ा घटनाक्रम में जिस बाघ को शिकारियों ने क्लच वायर लगा कर मारने की कोशिश की थी। उसे अधमरी अवस्था में जंगल सफारी लाया गया है। वन विभाग के अधिकारी इस पर चुप्पी साधे बैठे हैं। कोई इस मुद्दे पर बात नहीं करना चाह रहा है। छत्तीसगढ़ में बाघों की दुर्दशा किसी से छुपी नहीं हैं। एक तरफ छत्तीसगढ़ का वन विभाग अपनी बैठकों में बाघों की कमी का रोना रोते हुए पड़ोसी राज्यों से बाघ की मांग करता है। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी से अनुनय विनय करता है और जब कोई बाघ भटकता हुआ आ जाए तो उसे मध्यप्रदेश की सीमा पर छोड़ आता है।

नक्सलियों ने शांति वार्ता के लिए रखी शर्तें

दोनों तरफ से एक महीने का युद्धविराम की कहीं बात...

बीजापुर,18 अप्रैल 2025 (ए)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के उत्तर-पश्चिम सब जोनल ब्यूरो ने एक बार फिर शांति वार्ता की पेशकश करते हुए बड़ा बयान जारी किया है। संगठन ने एकतरफा नहीं, बल्कि दोनों पक्षों से एक महीने का युद्धविराम लागू करने की मांग की है, ताकि स्थायी समाधान की दिशा में शांति वार्ता आगे बढ़ सके।पहले भी नक्सली संगठनों ने शांति वार्ता का प्रस्ताव रखा था। पहले पत्र में संगठन ने लिखा था सरकार सकारात्मक संकेत देती है तो वे युद्धविराम लागू करने को तैयार हैं। इस पर गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा था कि हम शांति वार्ता के खिलाफ नहीं हैं,लेकिन बातचीत उन्हीं से होगी जो संविधान और लोकतंत्र का सम्मान करें। यदि नक्सली चर्चा चाहते हैं,तो उन्हें सामने आकर बात करनी होगी। वे किस समिति की बात कर रहे हैं, यह स्पष्ट करें। सरकार ने ऐसी कोई समिति नहीं बनाई है। जो भी मुझसे बात करना चाहता है, मुझसे सीधे संपर्क करे। हम उन्हें सुरक्षा प्रदान करेंगे।आगे उन्होंने कहा था कि,बंदूक का जवाब बंदूक से दिया जाएगा। अगर वाकई आप स्कूलों और अस्पतालों का विरोध नहीं करते, तो उन इलाकों में विकास क्यों नहीं हुआ? आज भी कई गांवों में न तो टीवी है,न सिंचाई की सुविधा।

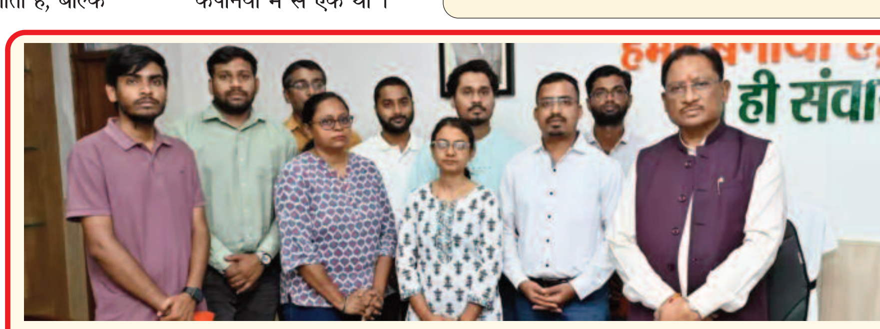

बीएड प्रशिक्षित बर्खास्त सहायक शिक्षकों ने की आंदोलन समाप्ति की घोषणा

रायपुर,18 अप्रैल 2025(ए)। सीएम विष्णु देव साय से आज उनके निवास कार्यालय में बीएड प्रशिक्षित बर्खास्त सहायक शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। यह प्रतिनिधिमंडल 126 दिनों से लगातार आंदोलनरत था और आज की आत्मीय मुलाकात और चर्चा के बाद उन्होंने अपने आंदोलन को समाप्त करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने शिक्षकों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि आप सब हमारे परिवार के सदस्य हैं। आपकी पीड़ा हमारी पीड़ा है। आपकी समस्याओं को समझते हुए सरकार सहानुभूति के साथ इस विषय पर गंभीरता से विचार कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस मामले के समाधान के लिए शासन स्तर पर हरसंभव सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री साय से भेंट के पश्चात शिक्षकों ने सरकार की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)